कार्तिक कृष्ण पक्ष एकादशी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 113 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
27 अक्टूबर 2025 सोमवार

आज का मौसम
22 अधिकतम
17 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

ब्रिटेन में हमलावरों ने भारतीय मूल की युवती से किया दुष्कर्म

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन में सिख महिला से दुष्कर्म की घटना के एक महीने बाद एक और दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। ब्रिटेन पुलिस ने बताया की उत्तर इंग्लैंड में भारतीय मूल की एक महिला के साथ दुष्कर्म किया गया है। इस मामले में वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने एक अज्ञात युवक का का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज जारी कर लोगों से अपील की है। पुलिस ने बताया कि उन्हें शनिवार की शाम वॉल्सॉल के पार्क हॉल इलाके से एक महिला की कॉल आई थी। इस अपराध को नस्लीय रूप से उत्तेजित हमला के रूप में पहचाने जाने के बाद वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने संदिग्ध की सीसीटीवी फुटेज जारी की है। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस के लिए इन्वेस्टिगेशन कर रहे डिटेक्टिव सुपरिटेंडेंट रोनन टायरर ने रविवार को कहा कि यह किसी महिला पर किया गया सबसे भयानक हमला था।

लखनऊ के अस्पताल में आग से मची अफरा-तफरी, मरीजों को निकाला गया

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में उत्तर रेलवे के अस्पताल में सुबह आग लगी। अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह 5 बजे के आसपास ग्राउंड फ्लोर पर बने सर्वर रूम से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। धुएं से मरीजों का दम घुटने लगा। लखनऊ के इंडोर रेलवे हॉस्पिटल में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। आग लगने से पूरे अस्पताल में धुआं भर गया। लेकिन समय रहते मरीजों को बाहर निकाल लिया गया। बताया जाता है कि सर्वर रूम शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी। फिलहाल, स्थिति नियंत्रण में है। आग बुझा दी गई है। रेलवे अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह 5 बजे के आसपास ग्राउंड फ्लोर पर बने सर्वर रूम से धुआं और आग की लपटें उठने लगीं।

दिल्ली में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़, गोली लगी, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में अमर कॉलोनी में वांटेड अपराधी और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस अभी मामले की जांच में जुटी है। बताया गया कि हत्या की कोशिश के मामले में शामिल आरोपी और पुलिस के बीच राजौरी गार्डन में मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में बदमाश की ओर से गोली चली, लेकिन पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपी को अरेस्ट कर लिया। पुलिस अभी आरोपी से पूछताछ कर रही है और उसका आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है।

करूर भगदड़ के पीड़ित परिवारों से मिले विजय

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिनेता से नेता बने और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय ममल्लापुरम के एक प्राइवेट होटल में करूर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों से मिल रहे हैं। यह मीटिंग भगदड़ में 41 लोगों की मौत के ठीक एक महीने बाद हो रही है। विजय से मिलने के लिए 200 से ज्यादा लोग आए हैं। इसमें 37 परिवार शामिल हैं और कुछ लोग भगदड़ में घायल हुए थे। हर परिवार से चार से पांच लोग विजय से मिलने आए हैं। खबर है कि एक्टर उनमें से हर एक को अलग-अलग सांत्वना देंगे। यह मुलाकात एक बंद कमरे में हो रही है, जिसमें पाबंदियां हैं और सिर्फ टीवीके के लोगों को ही अंदर जाने की इजाजत है। पीड़ितों के परिवारों को चेन्नई लाने के मौजूदा कदम की आलोचना हो रही है और कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि विजय इसके बजाय करूर क्यों नहीं गए।

बैन लगाने की ऑपचारिकता कर सो रही सरकार, यू-ट्यूब भी सिखा रहा बनाने के तरीके

अमेज़न, फ्लिपकार्ट और ब्लिंकिट पर खतरनाक कार्बाइड गन की ऑनलाइन बिक्री अब भी जारी

दोपहर मेट्रो खुलासा
● राजेश सिरोठिया

भोपाल। दीपावली के दौरान पटाखों के साथ काबाईड गन के इस्तेमाल से लोगों के घायल होने और कई बच्चों की आंखों की रोशनी छिनने के बाद जागे शासन की पाबंदियों के बावजूद ऑनलाइन शापिंग के जरिए इनकी बिक्री धड़ल्ले से जारी है। वह भी चालीस से सत्तर फीसदी डिस्काऊंट के ऑफर के साथ। यूट्यूब पर भी दर्जनों वीडियो देखकर इन खतरनाक साबित होती कार्बाइड गन को बनाने के तौर तरीके आसानी से देखे और समझे जा सकते हैं। साथ में उनको चलाने का तरीका भी बताया जा रहा है।

सवाल यही उठ रहा है कि आखिर मध्यप्रदेश में हो क्या रहा है? उद्योगों में प्रयुक्त होने वाले जहरीले सालवेंट की कफ सीरप में मिलावट से 26 बच्चों की मौत के बाद अब कार्बाइड गन से आंखों की रोशनी छिनने जैसे झकझोर देने वाले मामले । शासन-प्रशासन ने इन कार्बाइड गन बिक्री पर रोक लगाकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर ली है। कुछेक मुकदमें भी कायम हुए और गिरफ्तारी के साथ काबाईड गनों और उसमें प्रयुक्त विस्फोटक पदार्थों की जब्ती के बाद सरकार जैसे सो गई है। लेकिन, ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कोई फुल प्रूफ प्लान उसके पास नहीं है। दोपहर मेट्रो ने अमेजन और फ्लिपकार्ट पर काबाईड गन तलाशी तो कई विकल्पों के साथ इनकी मूल कीमत और उन पर डिस्काउंट की जानकारी दी जा रही है। चौंकाने वाली बात तो यह है कि ब्लिंकिट सरीखे ऑन लाइन प्लेटफार्म पर भी कार्बाइड गन धड़ल्ले से बिक रही है लेकिन इस पर राज्य में प्रतिबंध लगाने वाले शासन -पुलिस प्रशासन यहां तक कि सायबर पुलिस को भी इसकी भनक तक नहीं है।

अभी तक 300 से ज्यादा लोगों के जख्मी होने का अनुमान पुलिस ने लगाया है। इनमें से 160 केस भोपाल, 36 ग्वालियर तथा 23 विदिशा में सामने आए हैं। यह संख्या ज्यादा भी हो सकती है। एम्स की नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ भावना शर्मा का कहना है कि कैलशियम काबाईड में पानी के मिलने से वह एसीटिलीन में तब्दील हो जाता है। इसके विस्फोट से यदि एसिडिक नुकसान हो तो मरीज जल्द ठीक हो सकता है। लेकिन अल्कलाइन यानि क्षारीय हमले से घायल की आंख स्थाई रूप से जा सकती है। महीने भर के भीतर कफ सीरफ और कार्बाइड गन के हादसे के बाद सेहत महकमें के अफसर और पुलिस के आला अफसरों के साथ खुफिया तंत्र पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। क्योंकि कफ सीरप पर बैन तो लगा दिया

सजग रहते तो दीपावली पर हादसा टाला जा सकता था

दरअसल कार्बाइड गन का इस्तेमाल किसान अपने खेतों में जबरन चराई करने घुसे बंदरों, जंगली सुअरों, पक्षियों आदि को भगाने में करते हैं। लेकिन दीपावली के मौके पर इसके सरे आम सड़क के फुटपाथों पर बिक्री के मामले पुलिस की नजर में पहले ही आ गए थे। दीपावली के दो दिन पहले ग्वालियर के इंदरगंज थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मी रामनरेश गुर्जर ने शाबिद नामक युवक को कार्बाइड गन बेचते पकड़ा था। उसके खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के साथ साथ भारतीय न्याय संहिता की धारा 35(3)के तहत मामला भी दर्ज हुआ, लेकिन जमानती अपराध होने के चलते वह छूट गया। 18 अक्टूबर को ही भोपाल के छोला थाना क्षेत्र में भी ऐसा ही एक मामला दर्ज हुआ जिसमें अहसान नगर निवासी मोहम्मद ताहा पर केस दर्ज किया मुकदमा दर्ज किया लेकिन त्यौहारों के मौकों पर सतर्क रहने वाली पुलिस और उसका खुफिया तंत्र तब भी नहीं जागा। उसकी नींद तब खुली जब 300 से ज्यादा लोग इसके शिकार हुए। तब उसने दो और लोगों को पकड़ा तथा कार्बाइड गन में प्रयुक्त सामग्री जब्त की। इसके पहले भिंड के गोहद में भी सतेंद्र और सूरज भी ऑन लाइन खरीदी के जरिए प्राप्त कार्बाइड गन 200 से घायल होने का मामला भी सामने आया था। नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर रिसर्च इन एनवायरमेंट तथा आईएमआर ने 2023 में सिफारिश की थी कि कार्बाइड गन को लेकर जनचेतना जगाई जाए तथा गैर लायसेंसी कार्बाइड गन की बिक्री पर पाबंदी लगे। लेकिन इसका पालन भी शासन ने नहीं किया, जिसके चलते हादसा हुआ। एक वरिष्ठ पुलिस अफसर ने माना कि प्रशासन इसके जोखिमों का पूर्वानुमान लगाने में नाकाम रहा।

लेकिन कार्बाइड गन की बिक्री निर्वाध रूप से जारी है। सवाल यही है कि क्या संवेदनशीलता का दंभ भरने वाली सरकारों के तंत्र को लकवा मार चुका है? कितने और लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ होने के बाद जागेगा तंत्र? प्रदूषण नियंत्रण मंडल और एनजीटी से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पटाखों के उपयोग पर तो सख्त दिखता है लेकिन ऐसे मामलों में चुप्पी क्यों? जबकि प्रदूषण में पटाखों से होने वाले पर्यावरण का नुकसान एक फीसदी से भी कम है। वह दीपावली जैसे पर्व पर भी चंद दिनों का मामला रहता है। अब अवसर आ गया है कि देश की सर्वोच्च अदालत कार्बाइड गन के इस्तेमाल को लेकर सख्त गाइडलाइन जारी करे ताकि सरकार चेत सके।

पसली में चोट से इंटरनल ब्लीडिंग

आईसीयू में भर्ती कराए गए श्रेयस अय्यर

सिडनी, एजेंसी

भारतीय वनडे टीम के उप-कप्तान श्रेयस अय्यर को सिडनी के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। वह अभी इंटेंसिव केयर यूनिट में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे मैच के दौरान पसलियों में चोट लगने की वजह से इंटरनल ब्लीडिंग हो रही है।

अय्यर ने तीसरे वनडे में शनिवार (25 अक्टूबर) को बैकवर्ड पॉइंट से पीछे की ओर दौड़ते हुए एलेक्स कैरी का शानदार कैच लिया था। इस दौरान उनकी बाईं पसली में चोट लग गई। इसके बाद वह ड्रेसिंग रूम में लौटे और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, श्रेयस पिछले कुछ दिनों से आईसीयू में हैं। रिपोर्ट आने के बाद इंटरनल ब्लीडिंग का पता चला और उन्हें तुरंत भर्ती करना पड़ा। रिकवरी के आधार पर उन्हें दो से सात दिनों तक ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा क्योंकि ब्लीडिंग से इंफेक्शन को फैलने से रोकना जरूरी था।

मोन्था चक्रवात : आंध्र और ओडिशा में स्कूल बंद

3 सिस्टम एक्टिव, कई राज्यों में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में मौसम के 3 सिस्टम एकसाथ एक्टिव हैं। इन सिस्टम का असर मध्य प्रदेश समेत 15 राज्यों में अगले 4 दिन तक नजर आएगा। यहां तेज हवाओं के साथ बारिश भी हो सकती है। पश्चिम विक्षोभ एक्टिव होने से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड में भी बारिश होगी। साथ ही 6 नवंबर के बाद बर्फबारी होने की संभावना है। गुजरात के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। भावनगर के महुवा में 24 घंटे में सबसे ज्यादा करीब 8 इंच बारिश दर्ज की गई।

चक्रवात मोन्था के कारण आज 3 राज्यों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी में बना डीप डिप्रेशन धीरे-धीरे मजबूत हो रहा है और सोमवार को इसके समुद्री तूफान और मंगलवार को गंभीर समुद्री तूफान में बदलने की संभावना है। इसका केंद्र अभी विशाखापट्टनम से 830 किमी पूर्व की दिशा में है। आंध्र, ओडिशा, तमिलनाडु में रेड अलर्ट जारी किया गया है। जबकि आंध्र, तमिलनाडु, ओडिशा, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, यूपी, पश्चिम बंगाल में 3-4 दिन तेज बारिश की संभावना है। आंध्रप्रदेश और ओडिशा में स्कूल और आंगनबाड़ी बंद कर दिए गए हैं।

प्रदेश के महाकौशल क्षेत्र में फसलों को भारी नुकसान हुआ है।

मध्यप्रदेश पर असर

आधे एमपी यानी, भोपाल, इंदौर, गुना, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, नर्मदापुरम, बैतूल, सीहोर, हरदा, राजगढ़, शाजापुर, देवास, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, बड़वानी, धार, आगर-मालवा, रतलाम, झाबुआ और अलीराजपुर में बूंदाबांदी जारी रहेगी।

डॉक्टरों तक दवा पहुंचाने वाला फार्मा कंपनी का एमआर गिरफ्तार

छिंदवाड़ा, एजेंसी

जहरीले कफ सिरप से हुई मौतों के मामले में पुलिस ने सन फार्मा कंपनी के मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) सतीश वर्मा को उसके घर से गिरफ्तार किया। सतीश वर्मा पर आरोप है कि उसने डॉक्टरों को कमीशन देकर कंपनी की दवाइयां मरीजों को लिखवाने का दबाव बनाया था।

अब मामले की जांच विशेष जांच टीम के पास है। टीम यह पता लगाएगी कि किन डॉक्टरों को कमीशन दिया गया। किनके माध्यम से दवाई की सप्लाई की गई। कंपनी ने कैसे जहरीली दवाइयां बाजार में पहुंचाई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांच में कुछ प्रमुख निजी डॉक्टरों और मेडिकल एजेंसियों के नाम सामने आने की संभावना है। इससे पहले पुलिस ने 'अपना फार्मा' एजेंसी के संचालक को गिरफ्तार किया था। यह वही एजेंसी थी, जिसने जहरीला कफ सिरप 'कोल्ड्रिफ' छिंदवाड़ा बुलाकर सप्लाई किया था। इस एजेंसी से जुड़ी अन्य दवाइयों के सैंपल लैब भेजे गए हैं। वहीं, डॉक्टरों की भूमिका और उनकी कमीशन डीलिंग की जांच भी जारी है।

आज का कार्टून

संडे एंकर
भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस सूर्यकांत के नाम की सिफारिश

मंद रोशनी में पढ़ाई और सरकारी नौकरी की उम्मीद... आसान नहीं था छोटे गांव से सुप्रीम कोर्ट तक का सफर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश के तौर पर जस्टिस सूर्यकांत के नाम की सिफारिश हो गई है। मौजूदा सीजेआई बीआर गवई 23 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार को जस्टिस सूर्यकांत का नाम भेज दिया है। वरिष्ठता के आधार पर जस्टिस सूर्यकांत भारत के 53 वें सीजेआई बनेंगे। वे करीब 14 महीने तक इस पद पर रहेंगे और 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे। सीजेआई गवई ने जस्टिस सूर्यकांत को इस पद के लिए हर तरह से उपयुक्त बताया है।

वे भारत के पहले हरियाणवी मुख्य न्यायाधीश होंगे। यह एक असाधारण सफर है, जो हरियाणा के एक छोटे से गांव पेटवार से शुरू हुआ। वे ऐसे

परिवार से नहीं थे जहां कानून का बोलबाला हो। उन्होंने अपना बचपन सुविधाओं से दूर, एक साधारण ग्रामीण जीवन जीते हुए बिताया। पहली बार उन्होंने शहर तब देखा जब वे दसवीं की बोर्ड परीक्षा देने के लिए हरियाणा के हांसी शहर गए। आठवीं कक्षा तक उन्होंने गांव के एक ऐसे स्कूल में पढ़ाई की जहां बेंच भी नहीं थे। वे अपने खाली समय में खेतों में काम करके परिवार का हाथ बंटाते थे, जैसे उस गांव का हर लड़का करता था। उनके पिता एक शिक्षक थे।

जिन लोगों ने उनके साथ करीब से काम किया है, वे उन्हें एक गहरे ज्ञान और संतुलित विवेक वाले न्यायविद बताते हैं। उनके फैसलों में संतुलन और न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की प्रशंसा की जाती है। पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में 14 साल से अधिक समय तक सेवा देने के बाद, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और फिर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बनने तक, उन्होंने हमेशा सार्वजनिक संसाधनों की सुरक्षा, भूमि अधिग्रहण और मुआवजा, पीड़ितों के अधिकार, आरक्षण नीतियों और संवैधानिक सिद्धांतों के व्यापक संतुलन जैसे मामलों के प्रति गहरी संवेदनशीलता दिखाई है।

याद हैं संघर्ष के दिन

कुछ समय पहले महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (रोहतक) के दौरे के दौरान, जस्टिस सूर्यकांत ने अपने शुरुआती जीवन के बारे में बात की थी। उन्होंने याद किया कि पेटवार में बिजली मिलना एक दुर्लभ बात थी। वे रात में दोस्तों के साथ, मंद रोशनी में पढ़ाई करने के दिनों को याद कर रहे थे। सरकारी नौकरी पाने की उम्मीद उन्हें हर मुश्किल से पार पाने के लिए प्रेरित करती थी।

मनमानी: लेडी अस्पताल, गहोई समाज के मंदिर, चर्च के वाहन कहां होंगे पार्क?

सदर मंजिल हेरिटेज होटल के लिए फायर ब्रिगेड पार्किंग पर स्मार्ट सिटी करा रहा कब्जा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सदर मंजिल को कोलकाता की एक कंपनी को हेरिटेज होटल संचालन का दायित्व सौंपा गया है। होटल में ठहरने और आने वालों के लिए पार्किंग सदर मंजिल के सामने थी। वाहन वहां पर पार्क किए जाते थे। अब सदर मंजिल होटल में आने वाले आगंतुकों के लिए स्मार्ट सिटी सीईओ ने फायर ब्रिगेड के सामने खाली पड़ी भूमि के पर वाहन वहां पार्क करने के मौखिक आदेश प्रोजेक्ट मैनेजर सतीश राय को दिए हैं। वहां गड्ढे खोदकर लोहे के एंगल से घेराबंदी की जा रही है और होटल में आने वाले लोगों को वाहन पार्क वहां करने की व्यवस्था स्मार्ट सिटी के माध्यम से की जा रही है। इस बात को लेकर क्षेत्र के लोगों को ऐतराज है। इस खुली भूमि पर फायर ब्रिगेड के गत 30 वर्षों से वाहन पार्क होते हुए आ रहे हैं। अभी वर्तमान में फायर ब्रिगेड की नई बिल्डिंग का काम गत दो वर्षों से चल रहा है फायर ब्रिगेड का कार्यालय अतिक्रमण शाखा शकीला वालों बिल्डिंग में चल रहा है। सवाल यह उठता है कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियां कहां खड़ी होगी पुराने स्थान पर तो सदर मंजिल होटल के वाहन पार्क किये जा रहे हैं यह मनमानी स्मार्ट सिटी द्वारा की जा रही है।

मंदिर , मस्जिद और चर्च के लिए भी दिक्कत

नगर निगम आयुक्त और कलेक्टर से आग्रह किया गया है कि स्मार्ट सिटी को सदर मंजिल होटल के सामने ही व्यवस्था पार्किंग करने को कहा जाए जिससे कि आगंतुकों को दिक्कत ना हो और फायर ब्रिगेड एवं शव वाहनो आसानी से वाहन को खड़े करने की व्यवस्था चलती रहे । इसी पार्किंग के स्थान पर 200 साल पुराने प्राचीन गहोई समाज के मंदिर पर लोग प्रतिदिन तो आते ही है लेकिन विशेष पूजा अर्चना के लिए प्रति मंगलवार एवं शनिवार को विशेष रूप से आते हैं। वहीं इसी फायर ब्रिगेड रोड पर तीन मकान छोड़कर ईसाई समाज का चर्च भी है। प्रति रविवार को यहां पर विशेष पूजा अर्चना की जाती है। उनके वाहन भी पार्क फायर ब्रिगेड के सामने ही होते बरसों से चले आ रहे हैं । थोड़े आगे चलकर शिया समुदाय की प्रमुख मस्जिद है। जुम्मे की नमाज के लिए अधिकांश शिया हजरात विशेष नमाज अदा करने आते हैं। उनके कुछ वहां मस्जिद के बाहर और कई वाहन फायर बिग्रेड के सामने पार्क होते आए हैं। होटल की पार्किंग की व्यवस्था के संबंध में प्रोजेक्ट मैनेजर सतीश से पूछा गया तो वे स्मार्ट सिटी सीईओ के आदेश दिखाने में असमर्थ रहे।

फ्लैट वालों को भी यही पार्किंग दिखाई थी

फायर ब्रिगेड के नव निर्मित भवन में ऊपर फ्लैट भी नगर निगम द्वारा बेचे गए हैं और फ्लैट के जो मालिक है उनको पार्किंग फायर ब्रिगेड के सामने वाली जगह बताई गई थी। अब उनके सामने वाहन पार्क करने की समस्या हो सकती है। इसी प्रकार लेडी भोर अस्पतालमें मंगलवार और शुक्रवार को नवजात शिशुओं को वैक्सीन लगाया जाता है। उनके वाहन अब कहां पार्क होंगे यह दिक्कत भी आ सकती है। इस पर भी स्मार्ट सिटी और सदर मंजिल होटल प्रबंधन एवं पुरातत्व विभाग ने ध्यान नहीं दिया है वहीं इसी अस्पताल से लगा हुआ बिजली घर का ट्रांसफार्मर है। ट्रांसफार्मर में गड़बड़ी आने की वजह से उनके चार पहिया वाहन लिए भी जगह नहीं छोड़ी गई है। अगर बिजली ट्रांसफार्मर में कोई दिक्कत या परेशानी आती है तो वाहन वहां तक कैसे पहुंचेगा, इस मामले में फायर ब्रिगेड फायर ऑफिसर से भी मोहल्ले वालों ने शिकायत की है।

तय नहीं हो सका सीएमआरएस कार्यक्रम

भोपाल मेट्रो की शुरुआत को लेकर अनिश्चितता, करना पड़ सकता है और इंतजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी में मेट्रो ट्रेन की सवारी का सपना अभी पूरा नहीं हो पा रहा है। एम्स से सुभाष नगर तक चलने वाली मेट्रो लाइन के संचालन को लेकर अब भी अनिश्चितता बनी हुई है, क्योंकि मेट्रो सेफ्टी रेल कमिश्नर (सीएमआरएस) जनक कुमार गर्ग का अंतिम निरीक्षण कार्यक्रम तय नहीं हो सका है। भोपाल मेट्रो के अधिकारियों ने बताया कि उनकी तकनीकी टीम भोपाल में रहकर परियोजना के हर हिस्से ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, स्टेशन बिल्डिंग और सुरक्षा प्रबंधन की जांच कर चुकी है।

सुरक्षा जांच के बाद ही मिलेगी हरी झंडी- मेट्रो सेवा शुरू करने से पहले मेट्रो सेफ्टी रेल कमिश्नर (सीएमआरएस) सुरक्षा जांच करने आएंगे। निरीक्षण में सब कुछ मानक के अनुरूप पाया गया तो संचालन की मंजूरी मिल जाएगी। इसके बाद अगले ही दिन प्रदेश सरकार को सूचना दे दी जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि हमारी तैयारी पूरी है। संचालन की मंजूरी मिलने के बाद प्रदेश सरकार उदघाटन का समय तय करेंगी।

कई बार बढ़ चुकी हैं तय समय-सीमाएं- भोपाल मेट्रो का संचालन पिछले दो वर्षों से लगातार टलता जा रहा है। सबसे पहले इसका शुभारंभ 2023 के मध्य में होना था। बाद में तारीख सितंबर 2023, फिर दिसंबर 2024, और जून 2025 तक बढ़ाई गई। अब नया लक्ष्य अक्टूबर 2025 तय किया गया है। मेट्रो कॉर्पोरेशन के अधिकारियों के मुताबिक, तकनीकी कार्यों में देरी और ठेकेदारों की धीमी गति के कारण परियोजना समय पर पूरी नहीं हो पाई।

दो दिन चला तकनीकी मूल्यांकन

मुख्य निरीक्षण से पहले सीएमआरएस की तीन सदस्यीय तकनीकी टीम ने एम्स से सुभाष नगर तक के पूरे रूट की बारीकी से समीक्षा की। दो दिन चले इस परीक्षण में बिजली व्यवस्था, ट्रैक फिटिंग, स्टेशन की संरचना, सुरक्षा उपकरण और संचालन प्रणाली की गहन जांच की गई। साथ ही परियोजना से जुड़ी सभी एजेंसियों से विस्तृत रिपोर्ट भी ली गई। यह निरीक्षण भोपाल मेट्रो के लिए अब तक का दूसरा बड़ा तकनीकी मूल्यांकन माना जा रहा है। भोपाल मेट्रो का पहला ट्रायल रन अक्टूबर 2023 में सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक हुआ था। बाद में इसे एम्स स्टेशन तक बढ़ाया गया।

भोपाल में भव्य दीपोस्तव आज

10,001 दीपों से जगमगाएगा कोलार का सहस्त्रबाहु ब्रिज घर-घर से पहुंचेगा उजाला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी का कोलार रोड सोमवार की शाम 10,001 दीपों की रौशनी से जगमगाएगा। भगवान श्री सहस्त्रबाहु (सहस्त्रार्जुन) जी के जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर कलचुरी समाज मध्यप्रदेश एक भव्य ÷सहस्त्रदीपोत्सव÷ का आयोजन कर रहा है। यह आयोजन शाम 7 बजे जेके अस्पताल के सामने स्थित भगवान श्री सहस्त्रबाहु ब्रिज पर संपन्न होगा। दीपों से आलोकित यह दृश्य न केवल आस्था का प्रतीक बनेगा, बल्कि समाज की एकता, संस्कृति और सेवा की ज्योति बनकर पूरे भोपाल को रोशन करेगा।

कलचुरी सेना मध्यप्रदेश एवं अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा के संयुक्त तत्वावधान में हो रहे इस आयोजन में समाज के हजारों सदस्य दीप लेकर शामिल होंगे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री सहस्त्रबाहु जी की पूजा-अर्चना, आरती और जयघोष से होगी। इसके बाद समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पांच विशिष्ट समाजसेवियों का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक रामेश्वर शर्मा, विशेष अतिथि भोपाल महापौर मालती राय और भाजपा प्रदेश महामंत्री राजो मालवीय शामिल होंगी।अध्यक्षता एलएनसीटी ग्रुप के चेयरमैन एवं अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय नारायण चौकसे करेंगे।

हर घर से पहुंचेगा उजाला

आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी राजेश राय ने बताया कि समाज के प्रत्येक परिवार से 21 घी के दीपक, तेल और बाती लाने की अपील की गई है । यह केवल आयोजन की आवश्यकता नहीं, बल्कि समाज के आत्मगौरव और आत्मज्योति को प्रज्ज्वलित करने का प्रतीक है ।उन्होंने बताया कि समाज में इस अपील को लेकर उत्साह का माहौल है । बच्चे, युवा, माताएं और बहनें घर-घर दीप तैयार कर रही हैं । सभी के मन में एक ही भावना है हम अपने समाज का दीप स्वयं जलाएंगे, अपने भविष्य को स्वयं रोशन करेंगे । कलचुरी सेना के संगठन प्रभारी वीरसिंह राय ने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि समाज जागरण और संगठन शक्ति का उत्सव है ।

अधूरे वादों की भेंट चढ़ी नई मंडी, शहर फिर बना अघोषित सब्जी बाज़ार

संत कंवरराम मंडी फ़ेल : पार्किंग की समस्या के लिए हुआ था विस्थापन

हिरदाराम नगर। जिस उद्देश्य से शहर के बीचों-बीच पार्किंग और अतिक्रमण की समस्या को खत्म करनाके लिए पुरानी सब्जी मंडी को विस्थापित किया गया था, वह विफल हो गया है। आज स्थिति यह है कि समस्या तो जस की तस बनी हुई है, लेकिन नई संत कंवरराम सब्जी मंडी स्वयं बंद होने के कगार पर पहुँच गई है।

व्यापारियों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा सुविधाओं के जो वादे किए गए थे, वे पूरे नहीं हुए, जिसके कारण यह मंडी पूरी तरह से विफल साबित हुई है। पुरानी मंडी को सड़क चौड़ीकरण के लिए भवानी रोड, सीहोर नाके पर स्थानांतरित किया गया था, लेकिन शुरुआती आश्वासनों के बाद पार्किंग, सुरक्षा और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का घोर अभाव रहा। नई मंडी का उपनगर के दूसरे छोर पर होना भी ग्राहकों को आकर्षित नहीं कर सका, जिसके परिणामस्वरूप 60 चबूतरों और 53 दुकानों वाली इस मंडी में अब गिने-चुने कारोबारी ही बचे हैं। मंडी में रौनक केवल सुबह आठ से दस बजे तक नीलामी के समय ही रहती है। इस दौरान, ग्रामीण क्षेत्रों और भोपाल मंडी से सब्जी लाकर कारोबारी नीलामी करते हैं। सब्जी खरीदने के बाद विक्रेता हाथ ठेलों पर सब्जी लेकर तुरंत शहर के अंदर मेन रोड, पीएनबी रोड और अन्य रिहायशी इलाकों में चले आते हैं। शहर के अंदर 100 से अधिक ठेलों पर सब्जी-फल बिकने से मुख्य सड़कों पर फिर से जाम की स्थिति बन गई है, जिससे विस्थापन का मूल उद्देश्य ही खत्म हो गया है। सब्जी मंडी यूनियन के महासचिव हरीश मेहरचंदानी ने कहा कि सुविधाओं की कमी और ग्राहकी न होने के कारण कारोबारी शहर के अंदर धंधा करने को मजबूर हैं। कई पुश्तैनी कारोबार करने वाले अब दुकानें बंद करके शहर के भीतर कारोबार कर रहे हैं।

दीपावली मन की भी सफ़ाई का देती है संदेश : सबधाणी

हिरदाराम नगर। सिंधी समाज उत्थान पंचायत ने दीपोत्सव बधाई कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री हरि सेवा गंगा दरबार, विजय नगर, लालघाटी में आयोजित कार्यक्रम में सिंधी समाजजनों ने एक-दूसरे को पर्व की बधाई दी। पल्लव कर सभी की खुशहाली की कामना भी की। संस्था के अध्यक्ष आनन्द सबधाणी ने कहा कि, ÷जिस प्रकार हमने दीपावली पर अपने घरों की साफ़-सफ़ाई की है, उसी प्रकार हमें अपने मन की भी सफ़ाई करनी चाहिए।÷ पंचायत के बीडी चांदवानी ने भी अपने विचार रखे। वासु जेठानी ने गुरु नानक जयंती पर होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। आभार इंदरदास मेंघानी ने व्यक्त किया। कायक्रम में राधेश्याम नाथानी, नन्दलाल मोतियानी, अर्जुन वाधवानी, हरचंद ग्वालानी, किशन आसुदानी, बी.डी. चांदवानी, गीता सचदेवा, इंदरदास मेंघानी, कृष्ण मुरझानी, वासु जेठानी सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

हेलमेट-बेल्ट नहीं

स्टेपनी, टायर फटा होना, शीशा टूटा होने पर भी बनेगा चालान !

भोपाल। ट्रैफिक नियमों को देखा जाए तो चालान कई तरीके से हो सकता है। इस चालान की कार्रवाई में सिर्फ हेलमेट या सीट बेल्ट के साथ ही धूम्रपान, साइलेंसर और स्टेपनी तक पर जुर्माना होता है। आज के दौर में लोग ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन करने के बारे में बिना सोचे गलतियां करते हैं। आमतौर पर लोग जैसे हेलमेट न पहनना, सीट बेल्ट न लगाना और या फिर तेज रफ्तार से वाहन चलाना ही जुर्माने की श्रेणी को जानते हैं। बता दें कि वास्तव में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के 68 अलग-अलग तरीके हैं, जिनमें से आम जनता को इसके बारे में जानकारी तक नहीं होती। इसके कारण

अभी तक बने ये चालान

- ड्राइविंग के दौरान धूम्रपान पर पिछले 3 सालों में 20 चालान।
- बिना अनुमति वाहन पर विज्ञापन लगाने पर 3 सालों में 12 चालान।
- टूटे शीशे वाले वाहन पर 2025 में 3 चालान।
- खराब टायर पर 2025 में 1 चालान।
- मीटर से अधिक किराया वसूलने पर 2023 में 51 चालान।
- ड्राइवर की बदसलूकी पर 2024 में 3 चालान और 2025 में 1 चालान।
- फायर एक्सटिंग्विशर न होने पर पिछले 3 सालों में 67 चालान।
- फर्स्ट एड बॉक्स न होने पर 3 सालों में 141 चालान।

मेट्रो एंकर

देश भर के विशेषज्ञों ने साझा की नई तकनीकें

दस में आठ लोग किसी न किसी त्वचा रोग से प्रभावित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

त्वचा रोगों से जुड़ी भ्रांतियों और फर्जी इलाज की चुनौती आज भी गंभीर बनी हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए भारतीय त्वचा रोग विशेषज्ञ संघ (आईएडीवीएल) की मध्यप्रदेश शाखा के क्यूटिकॉन एमपी 2025 दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोज राजधानी भोपाल में किया। दूसरे दिन विशेषज्ञ चिकित्सकों के लिए वर्कशॉप और पुरस्कार वितरण का आयोजन किया। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में देशभर से लगभग 400 विशेषज्ञ शामिल हुए।

सही जांच एवं विशेषज्ञ से इलाज बेहद आवश्य- आईडीवीएल मध्यप्रदेश ब्रांच के अध्यक्ष डॉ. नितिन कुमार पंड्या ने कहा कि कॉन्फ्रेंस का मुख्य उद्देश्य आमजन में त्वचा रोगों के प्रति जागरूकता फैलाना और चिकित्सकों को उन्नत तकनीक से लैस करना है। उन्होंने बताया कि आज दस में आठ लोग किसी न किसी त्वचा रोग से प्रभावित हैं और सही जांच एवं विशेषज्ञ से इलाज बेहद आवश्यक है।

भारतीय त्वचा रोग विशेषज्ञ संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजूनाथ शिनाय ने कहा कि भारत में तेजी से फैल रहे एक नए फंगस ने रिंग वर्म के इलाज को चुनौती बना दिया है। कई मरीज इलाज के बाद ठीक हो जाते हैं लेकिन कुछ हफ्तों में संक्रमण फिर लौट आता है। उन्होंने बताया कि लोग बिना डॉक्टर की सलाह के मेडिकल स्टोर से दवाएं खरीदकर लगाते हैं, जिससे स्किन जल जाती है। जलने के बाद कुछ समय के लिए दाद गायब लगता है, लेकिन संक्रमण जड़ों में रह जाता है और दोबारा फैल जाता है। यह फंगस एक व्यक्ति से दूसरे में बहुत तेजी से फैलता है।

डॉ. शिनाय ने कहा कि मानव शरीर के किसी भी अंग से ज्यादा एक्सपेरिमेंट त्वचा पर किए गए हैं। लोग किसी भी समस्या पर घरेलू नुस्खे आजमाने लगते हैं। पिंपल्स पर लहसुन या टूथपेस्ट लगाने जैसी गलतियां स्थायी निशान छोड़ देती हैं। उन्होंने कहा कि आंख का दर्द हो तो लोग नेत्र विशेषज्ञ के पास जाते हैं, लेकिन स्किन की तकलीफ में पहले दर्जनों नुस्खे आजमाकर डॉक्टर के पास पहुंचते हैं। यही वजह है कि कई बार इलाज मुश्किल हो जाता है।

बिहार विधानसभा चुनाव के रण में मप्र के दिग्गज

मोहन-शिवराज भाजपा के लिए झोंकेंगे ताकत, कांग्रेस के कैम्पेनर्स में दिग्गी-जीतू, पहले चरण में करेंगे प्रचार

भोपाल, दोहपर मेट्रो

बीजेपी के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में एमपी के सीएम डॉ. मोहन यादव और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को स्टार प्रचारक बनाया गया है। बिहार चुनाव के लिए दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को वोटिंग होगी। मतगणना 14 नवंबर को होगी। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के प्रचार के लिए जारी की गई स्टार प्रचारकों की सूची में मध्य प्रदेश के नेताओं में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को ही स्टार कैम्पेनर बनाया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, धर्मेंद्र प्रधान, गिरिराज सिंह और शिवराज सिंह चौहान,असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी बिहार चुनाव में भाजपा के उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। भाजपा के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में भोजपुरी एक्टर के भी नाम हैं, जिनमें पवन सिंह, मनोज तिवारी, रवि किशन और दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' शामिल हैं। भाजपा के स्टार प्रचारकों में स्मृति ईरानी, केशव प्रसाद मौर्य, सीआर पाटिल, दिलीप कुमार जायसवाल, सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, रेनू देवी, प्रेम कुमार, नित्यानन्द राय, राधा मोहन सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति और सतीश चंद्र दुबे शामिल हैं। इसके अलावा ही, राज भूषण चौधरी, अश्विनी कुमार चौबे, रविशंकर प्रसाद, नन्द किशोर यादव, राजीव प्रताप रूडी, संजय जायसवाल, विनोद तावड़े, बाबूलाल मरांडी, प्रदीप कुमार सिंह, गोपालजी ठाकुर और जनक राम भी बिहार में प्रचार करेंगे।

कांग्रेस के स्टार प्रचारक

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, अशोक गहलोत और केसी वेणुगोपाल जैसी दिग्गज नेताओं के नाम भी शामिल हैं। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल, एमपी पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के अलावा अधीर रंजन चौधरी, मीरा कुमार, कृष्णा अल्लावरू, सुखविंदर सुक्खू, सचिन पायलट, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सैयद नासिर हुसैन, चरणजीत सिंह चन्नी, गौरव गोगोई, तारिक अनवर, मोहम्मद जावेद और अखिलेश प्रसाद सिंह के नाम भी सूची में शामिल है। इसके अलावा पप्पू यादव और उनकी पत्नी रंजीत रंजन के नाम भी लिस्ट में हैं। मनोज राम, अल्का लांबा, कन्हैया कुमार, पवन खेड़ा, इमरान प्रतापगढ़ी, शकील अहमद, जीतू पटवारी, सुखदेव भगत, राजेश कुमार राम, शकील अहमद खान, मदन मोहन झा, अजय राय, जिग्नेश मेवाणी,अनिल जयहिंद, राजेंद्र पाल गौतम, फुरकान अंसारी, उदय भानु चिब और सुबोध कांत सहाय शामिल हैं।

एनडीए और महागठबंधन के बीच बिहार में मुकाबला

बिहार में एनडीए और महागठबंधन के बीच मुख्य चुनावी मुकाबला है। एनडीए में भाजपा-जदयू 101-101 सीटों पर, लोजपा (रामविलास) 29 और आरएलएम व हम 6-6 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। एनडीए के सीट शेयरिंग के अनुसार, भाजपा और जदयू 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी, जबकि चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) को 29 सीटें और आरएलएम एवं हम को 6-6 सीटें मिली हैं। इसके तहत भाजपा ने सभी 101 सीटों पर उम्मीदवार उतार दिए हैं।

6 और 11 नवंबर को मतदान, मतगणना 14 नवंबर को

बिहार विधानसभा चुनाव का पहला चरण 6 नवंबर को और दूसरा चरण 11 नवंबर को होगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) (जदयू) के नेतृत्व वाले एनडीए और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी

ऑनलाइन पंजीयन 28 अक्टूबर तक

एमपीसीएसटी परिसर में 'ड्रोनटेक वर्कशॉप- एक्सपो-2025 का आयोजन

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और आईआईटी इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में 'ड्रोनटेक वर्कशॉप और एक्सपो - 2025' का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय कार्यक्रम 30 और 31 अक्टूबर 2025 को एमपीसीएसटी परिसर, नेहरू नगर, भोपाल में आयोजित होगा। वर्कशॉप के लिए ऑनलाइन पंजीयन 28 अक्टूबर तक किया जायेगा। पंजीकरण के लिए प्रतिभागी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक प्रतिभागी डॉ. सुनील गर्ग से सीधे संपर्क कर सकते हैं। सीटें सीमित हैं, इसलिये चयन 'फर्स्ट कम, फर्स्ट सर्व' के आधार पर किया जाएगा। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। वर्कशॉप स्कूल (कक्षा 6 से 12) के विद्यार्थियों, कॉलेज छात्रों एवं शोधार्थियों को ड्रोन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने और नवाचार के नए अवसरों को जानने का अवसर प्रदान करेगी। वर्कशॉप के दौरान हैंड्स-ऑन ड्रोन निर्माण कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें प्रतिभागी ड्रोन असेंबली, उड़ान नियंत्रण तथा सिम्युलेटर आधारित उड़ान प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। ड्रोन प्रौद्योगिकी के प्रसिद्ध विशेषज्ञ प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करेंगे। वर्कशॉप के साथ ड्रोन प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें नवीनतम ड्रोन तकनीक, अनुप्रयोगों और नवाचारों का प्रदर्शन होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर में रोटरी नेशनल अवार्ड सेरेमनी कार्यक्रम में अवार्ड प्रदान किए।

बांधवगढ़ सफारी टिकट की कालाबाजारी

वेबसाइट का गलत इस्तेमाल, कई टाइगर रिजर्व के वाउचर बरामद

» दिल्ली से दो आरोपितों को सीसीआईओ ने गिरफ्तार किया।

» आरोपित सरकारी साइट हैक कर एडवांस बुकिंग करते थे।

» गिर, ताड़ोबा, जिम कॉर्बेट और काजी रंगा के वाउचर बरामद।

की जा रही थी दूसरे राज्यों की बुकिंग

भोपाल, दोहपर मेट्रो

दिल्ली के एक गिरोह द्वारा बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की सफारी टिकटों की कालाबाजारी का पर्दाफाश सीसीआईओ साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की कार्रवाई के बाद हुआ है। जांच में पता चला कि आरोपियों के पास केवल बांधवगढ़ के वाउचर ही नहीं, बल्कि गिर सफारी (राजस्थान), ताड़ोबा (महाराष्ट्र), जिम कॉर्बेट (उत्तराखंड), काजी रंगा (असम) और अन्य स्थानों के बुकिंग वाउचर भी मिले हैं। इस मामले में दिल्ली से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर डा. अनुपम सहाय ने बताया कि अहमदाबाद (गुजरात) के सासंगीर सिंह दर्शन सहित उन पर्यटकों ने, जिन्होंने सफारी स्लॉट अग्रिम में बुक किए थे, उनसे तय कीमत से तीन गुना अधिक राशि वसूल की गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपित सरकारी वेबसाइट का दुरुपयोग कर एडवांस बुकिंग करते थे तथा फिर इन वाउचरों को उच्च कीमत पर बेच देते थे।

सीसीआईओ साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने बताया कि आरोपितों द्वारा टिकट बुकिंग के लिए सरकारी साइट को हैंक कर दूसरे राज्यों के पर्यटन स्थलों की एडवांस बुकिंग की जा रही थी। इस तरह का जाल गुजरात, मध्यप्रदेश के बांधवगढ़, राजस्थान के गिर, महाराष्ट्र के ताड़ोबा, उत्तराखंड के जिम कॉर्बेट और असम के काजी रंगा तक फैला हुआ पाया गया। अभी इस घोटाले की तफ्तीश जारी है और साइबर टीम मामले के तकनीकी पक्ष की विस्तृत जांच कर रही है।

फील्ड डायरेक्टर डा. अनुपम सहाय ने पर्यटकों से आग्रह किया है कि वे किसी भी टाइगर रिजर्व में सफारी टिकट बुक करते समय सिर्फ आधिकारिक वेबसाइट और आधिकारिक काउंटर का ही उपयोग करें। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की आधिकारिक साइट पर ही ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा उपलब्ध है और साइट पर भुगतान ऑनलाइन या रिजर्व के काउंटर द्वारा किया जा सकता है। साथ ही साइट पर संपर्क हेतु आवश्यक फोन नंबर भी दिए गए हैं, जिनसे कोई शंका होने पर सीधे संपर्क किया जा सकता है।

टिकट की कालाबाजारी पर नजर बनाए है प्रशासन

उन्होंने यह भी कहा कि बांधवगढ़ प्रशासन टिकट की कालाबाजारी पर नजर बनाए हुए है और ऐसे किसी भी प्रयास को सख्ती से रोका जाएगा। जिले की स्थानीय प्रशासनिक और सुरक्षा एजेंसियाँ भी इस दिशा में सतर्क हैं और संभावित पीड़ित पर्यटकों को जानकारी दे रही हैं।

प्रशासन ने पर्यटकों को दी सख्त चेतावनी

सीसीआईओ की कार्रवाई और दिल्ली से आरोपियों की गिरफ्तारी से यह संदेश गया है कि साइबर माध्यम से होने वाली धोखाधड़ी और कालाबाजारी के खिलाफ भी त्वरित कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने पर्यटकों को चेतावनी दी है कि वे किसी भी ऑफर या तीसरे पक्ष के माध्यम से खरीदारी करने से पहले आधिकारिक स्रोत की पुष्टि अवश्य कर लें। उन मामलों में जहां अग्रिम भुगतान करना आवश्यक हो, वहां भुगतान के पुख्ता सबूत और रसीद रखना अनिवार्य है। बांधवगढ़ प्रबंधन ने कहा है कि यदि पर्यटक किसी धोखाधड़ी का सामना करते हैं तो तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करें ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके और अन्य संभावित शिकारों को भी बचाया जा सके।

राजनीतिक नियुक्तियों पर नजरें टिकीं

मप्र भाजपा में संगठन विस्तार के बाद अब निगम-मंडलों की बारी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश भाजपा में संगठनात्मक फेरबदल के बाद अब राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर हलचल तेज हो गई है। नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन के साथ ही वे नेता, जो सूची में शामिल नहीं हो सके, अब निगम-मंडल और आयोगों में पद पाने की उम्मीद लगाए हुए हैं। संगठन में संतुलन साधने के बाद अब पार्टी का ध्यान इन नियुक्तियों पर केंद्रित हो गया है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा नेतृत्व दिसंबर में बिहार चुनाव संपन्न होने के बाद राजनीतिक नियुक्तियों पर विचार करेगा। माना जा रहा है कि ऐसे नेताओं को निगम-मंडलों में स्थान दिया जाएगा, जो लंबे समय से संगठन में सक्रिय हैं और जिन्हें इस बार कार्यकारिणी में जगह नहीं मिल पाई है। प्रदेश कार्यकारिणी में कई पुराने और नए चेहरों को शामिल किया गया है। हालांकि, कुछ वरिष्ठ नेताओं को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है ताकि उन्हें आगे चलकर अन्य जिम्मेदारियों से जोड़ा जा सके। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, संगठन ने यह सुनिश्चित किया है कि अनुभव और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व दोनों का समन्वय बना रहे।

सक्रिय नेताओं को मिल सकती है जगह

पार्टी सूत्रों का कहना है कि संगठन में शामिल नहीं किए गए कई सक्रिय नेताओं के नामों को निगम-मंडलों में नियुक्त किया जा सकता है। इनमें कई वरिष्ठ नेता हैं जो लंबे समय से पार्टी और सरकार में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इन पदों को लेकर आंतरिक मंथन शुरू हो गया है, जबकि अंतिम निर्णय केंद्रीय नेतृत्व की सहमति से होगा। सरकारी निकायों में भी नियुक्तियां लंबे समय से लंबित हैं। अब जब संगठन का ढांचा लगभग तैयार हो चुका है, तो उम्मीद है कि नवंबर के अंत या दिसंबर की शुरुआत में राजनीतिक नियुक्तियों की पहली सूची जारी की जा सकती है। भाजपा संगठन अब 2028 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल बनाने पर काम कर रहा है। पार्टी का उद्देश्य अनुभवी नेताओं को उचित स्थान देकर संगठनात्मक मजबूती बढ़ाना है।

मिल गई मंजूरी: मप्र के 8 शहरों में दौड़ेंगी 972 ई-बसें, बनेंगे चार्जिंग स्टेशन

भोपाल। मध्यप्रदेश में अब आठ शहरों में ई-बसों का संचालन किया जाएगा। इनमें से 6 शहर पहले से तय थे लेकिन अब इनमें देवास और सतना को और जोड़ा गया है। इसके साथ इंदौर और भोपाल में ई-बसों की संख्या बढ़ाई गई है। इन शहरों में सार्वजनिक बस सेवा के तौर पर केवल इलेक्ट्रिक बसें ही चलाने की तैयारी की जा रही है। इस तरह पहले जहां प्रदेश में 582 ई-बसों का संचालन तय था वहीं अब यह संख्या बढ़कर 972 हो गई है। हालांकि इन बसों का संचालन शुरू होने के लिए अभी अगले साल तक इंतजार करना पड़ेगा। अभी बसों की टेंडरिंग प्रक्रिया में 6 से 8 माह लगेंगे।

दे दी गई मंजूरी

आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने मध्यप्रदेश के आठ शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, देवास और सतना के लिए 972 ई-बसों के संचालन की मंजूरी दे दी है। पहले इंदौर में 150 और भोपाल में 100 बसों का संचालन तय किया गयास था, लेकिन अब यहां 50-50 बसें और बढ़ा दी गई हैं।

जूडो, कुश्ती और कुराश के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित

भोपाल। एमएसएमई मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने विद्या भारती द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अ.भा. जूडो, कुश्ती और कुराश प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित किए। प्रतियोगिता सरस्वती विद्या मंदिर शारदा विहार भोपाल में हुई। काश्यप क्रीड़ा भारती के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष भी है। मंत्री काश्यप ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों की सराहना की और आह्वान किया कि वे भारत के परंपरागत खेलों को बढ़ावा दें। उन्होंने खेलों का महत्व बताते हुए कहा कि खेलों से स्वस्थ शरीर बनता है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। खेलों से व्यक्तित्व का विकास होता है, इसलिए खेलना आवश्यक है। इसमें 22 राज्यों के 1100 खिलाड़ियों ने अपने प्रतिभा कौशल का प्रदर्शन किया। स्पर्धा के विजेता खिलाड़ी आगे एस.जी.एफ.आई. में विद्या भारती का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर ग्राम भारती के प्रांतीय सचिव वीरेंद्र सेंगर, विद्या भारती के पर्यवेक्षक सतपाल सिंह, शारदा विहार समिति के सदस्य राजेंद्र आर्य, प्रबंधक राजेश तिवारी तथा विद्या भारती मध्य क्षेत्र के खेल सह संयोजक मनीष वाजपेई उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर

उज्जैन बनेगा कला का वैश्विक केंद, 67वां कालिदास समारोह 1 नवंबर से

नवाचारों से सजाया जाएगा सांस्कृतिक महोत्सव

भोपाल, दोहपर मेट्रो

छह दशकों से अधिक समय से अपनी अखंड परंपरा को जीवंत रखने वाला अखिल भारतीय कालिदास समारोह अब 67वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। 1958 से उज्जैन में आयोजित यह प्रतिष्ठित सांस्कृतिक अनुष्ठान 30 अक्टूबर से 7 नवंबर तक कालिदास संस्कृत अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद और संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न होगा। इस वर्ष पूर्वरंग, नवाचारों, लोकप्रिय आकर्षणों और युवा सहभागिता के साथ यह समारोह नई ऊंचाइयों को छुएगा, जो आयोजकों, कलाकारों, कला प्रेमियों और उज्जैनवासियों की सामूहिक सफलता का प्रतीक है। अकादमी निदेशक डॉ. गोविंद ने बताया कि देवप्रबोधनी एकादशी (1 नवंबर) से पूर्व 30-31 अक्टूबर को पूर्वरंग आयोजित होगा।

30 अक्टूबर को मां गढ़कालिका पर वागर्चन में शहर के 1100 छात्र-छात्राओं द्वारा श्यामलादंडकम् और देवी स्तुति की सामूहिक प्रस्तुति होगी। नृत्याराधना नृत्य मंदिर संस्थान द्वारा देवी स्तुति में नृत्य आराधना भी होगी। 31 अक्टूबर को पारंपरिक कलश यात्रा रामघाट से शुरू होकर अकादमी परिसर तक पहुंचेगी। इसमें छत्तीसगढ़ का पंथी नृत्य, नासिक के ढोल-ताशे, पुलिस बैंड, लोककलाकारों के नृत्य और गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। टावर चौक पर कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी, जबकि शहर संगठन यात्रा का स्वागत करेंगे। सायंकाल रत्नागिरी (महाराष्ट्र) के युवा कलाकार संस्कृत आर्केस्ट्रा पेश करेंगे, जो आधुनिक वाद्यों पर संस्कृत गीतों का नवाचार होगा। पूर्व में कालिदास रचनाओं के मंगलाचरण का सामूहिक पाठ होगा।

आयोजित होंगे यह कार्यक्रम

1 नवंबर को सुबह 10 बजे शुभारंभ होगा। सायंकाल राष्ट्रीय गायिका सूर्यागायत्री (कालीकट, केरल) भक्ति संगीत प्रस्तुत करेंगी। 2 नवंबर को सुबह कालिदास साहित्य में स्व-बोध पर शोध संगोष्ठी, सायंकाल प्रो. प्रगाग नारायण मिश्र (प्रयागराज) का व्याख्यान संस्कृति चिंतक कालिदास और महेश काळे का शास्त्रीय गायन। 3 नवंबर को शोध संगोष्ठी जारी, प्रो. राजेश्वर मिश्र (कुरुक्षेत्र) का व्याख्यान कालिदास का परिवार चिंतन, अनन्या गौड़ का कथक, अमिता खरे की शकुंतला नाटिका और सांस्कृतिक समिति की ऋतुसंहार। 4 नवंबर को शोध संगोष्ठी, प्रो. संनंदन त्रिपाठी (दिल्ली) का व्याख्यान कालिदास का स्वात्म गौरव और विशाला सांस्कृतिक समिति का हिंदी नाटक श्रीकृष्ण उज्जैनी। 5 नवंबर को ऑपरेशन सिंदूर के आलोक में कालिदास पर कवि सम्मेलन और पियाल भट्टाचार्य (कोलकाता) का संस्कृत नाटक शिवभाणकम्। 6 नवंबर को श्रुति अधिकारी (भोपाल) का पंचनाद वादन, दुर्गा शर्मा (बेंगलुरु) का वायलिन और क्षेत्रीय बोली कवि सम्मेलन। 7 नवंबर को दिव्या शर्मा जांगीड़ (मुरैना) का शास्त्रीय गायन, प्रेमसिंह देपालपुरिया (सांरगपुर) का लोकगायन। समापन राज्यपाल मंगूभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य में पुरस्कार वितरण के साथ होगा। समारोह में चार प्रदर्शनियां विशेष आकर्षण होंगी। पहली संस्कृत शब्दावली प्रदर्शनी (संस्कृत भारती के सहयोग से), दूसरी दुर्लभ ग्रंथ प्रकाशन, तीसरी विगत 10 वर्षों के पुरस्कृत चित्र और चौथी उज्जैन-मालवा पर पुरातत्व-सिक्कों की। दर्शक पुस्तकें खरीद सकेंगे, जो दैनिक जीवन में संस्कृत अपनाने को प्रेरित करेंगी। यह समारोह कालिदास की अमर कृतियों को जीवंत कर सांस्कृतिक एकता को मजबूत करेगा, युवाओं को जोड़ते हुए परंपरा को आधुनिक बनाएगा।

सबको चुभेगा ये बैन

अलास्का में रूसी राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात की उम्मीदें अब पुरानी लगने लगी हैं। अगस्त की वह तस्वीर, जिसमें दोनों नेता एक ही कार में थे, अब यूक्रेन युद्ध पर बातचीत शुरू होने की उम्मीद जगाती थी। लेकिन, रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों, Rosneft और Lukoil पर अमेरिकी प्रतिबंधों ने इस उम्मीद को खत्म कर दिया है। इस अमेरिकी फैसले का असर भारत सहित पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा।

ट्रंप बुडापेस्ट में पुतिन से मिलने वाले थे, लेकिन बाद में उन्होंने कहा कि वह ऐसी बैठक नहीं करना चाहते जो बेकार साबित हो। इसके ठीक अगले दिन, रूसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया। ट्रंप सरकार का मानना है कि रूस युद्ध में अपने तेल व्यापार के दम पर टिका हुआ है। इसलिए, यह कदम रूस पर दबाव बनाने के लिए उठाया गया है।

पहले भी अमेरिका रूसी तेल पर आपत्ति जताता रहा है, लेकिन भारत और चीन के ज़रिए इसके व्यापार की छूट देता रहा था। अमेरिकी सहमति के कारण ही दुनिया में तेल की सप्लाई पहले की तरह जारी थी। लेकिन अब नए प्रतिबंध सीधे कंपनियों पर लगाए गए हैं। इसका मतलब है कि इन कंपनियों के साथ किसी भी तरह का व्यापार करना बहुत मुश्किल हो जाएगा।

रूस ग्लोबल ऑयल प्रोडक्शन का 11% हिस्सा रखता है, और ये दोनों कंपनियां इसमें से लगभग आधा उत्पादन करती हैं। इन पर बैन लगने से कच्चे तेल की ग्लोबल सप्लाई घट सकती है। हालांकि ओपेक देशों ने अमेरिका के कहने पर पहले ही उत्पादन बढ़ा दिया है, लेकिन रूस के सस्ते तेल की कमी को पूरा करना आसान नहीं होगा।

भारत पर असर: अमेरिकी प्रतिबंधों का असर भारत पर भी पड़ेगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज और अन्य सरकारी व निजी तेल रिफाइनरी कंपनियां रूसी तेल पर बहुत ज़्यादा निर्भर हैं। रिलायंस तो Rosneft की सबसे बड़ी भारतीय खरीदार है। भारतीय कंपनियों ने रूस से तेल खरीदना कम करने की तैयारी शुरू कर दी है।

प्रतिबंध सिर्फ़ रूस पर ही नहीं...: यह प्रतिबंध सिर्फ़ रूस पर ही नहीं, बल्कि उन देशों पर भी असर डालेगा जो रूस से तेल खरीदते हैं। तेल की बढ़ती कीमतें आम आदमी की जेब पर भारी पड़ेंगी। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ेंगे, जिससे महंगाई और बढ़ेगी। सरकार को इस स्थिति से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या अमेरिका अपने प्रतिबंधों पर कायम रहता है या फिर बातचीत के ज़रिए कोई समाधान निकलता है। फिलहाल, दुनिया भर के तेल बाज़ार में अनिश्चितता का माहौल है।

बिहार की राजनीति में 'ठगों और दंगाइयों पर नियंत्रण का सवाल'

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

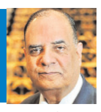

कांग्रेस में काफी ठग पड़े हैं। आज ठगी का बड़ा जोर है। कांग्रेस में जिन लोगों पर कुछ भी शक है, वे कांग्रेस को छोड़ दें या उन्हें बाहर निकाल दिया जाए। कुछ जगहों पर लोग कहते हैं कि काफी गुंडे हैं तो काम कैसे किया जाए। काम करने वाले गुडों को भी कह सकते हैं कि हम आपसे डरेंगे नहीं और काम करेंगे। गुंडा जहां होता है, वहां अच्छे आदमी भी रहते हैं और अच्छे आदमियों को चाहिए कि गुंडों से कहें कि आप हमें मारेंगे, तो हम मरेंगे, मगर भागेंगे नहीं।' यह बात आज भारतीय जनता पार्टी या उसके किसी सहयोगी दल के नेता ने नहीं कही है। यह बात 18 मार्च, 1947 को महात्मा गांधी ने सांप्रदायिक दंगों के बाद मसौढ़ी के बीर गांव में देहात के प्रतिनिधियों की सभा में कही थी। 75 वर्ष बाद भी बिहार में इस तरह की चर्चा होती है। खासकर जब जंगलराज यानी लालू प्रसाद यादव के सत्ताकाल में अपराधों की पराकाष्ठा अथवा 1970 से 1990 के बीच कांग्रेस के सत्ताकाल में हुए भीषण सांप्रदायिक दंगे और बड़े पैमाने पर दलितों के हत्याकांड की याद दिलाई जाती है।

बिहार विधानसभा के चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के नेता मुख्यमंत्री पद के दावेदार तेजस्वी यादव और उनके साथ सवारी कर रहे कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता राहुल गांधी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सत्ताकाल में दलितों और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के आरोप लगाकर अधिकाधिक वोट पाने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी सामने नहीं रखी है और नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही विश्वास जताते हुए समाज के विभिन्न वर्गों और अल्पसंख्यकों के वोट पाने के लिए अभियान चलाया हुआ है। लेकिन तेजस्वी और राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को निशाना बना रहे हैं। शायद इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सप्ताह अपने संदेश में कहा है कि बिहार की जनता जंगलराज को सौ साल तक नहीं भूल सकेगी। विपक्ष का गठबंधन 'गठबंधन नहीं, बल्कि लठबंधन (अपराधियों का गठबंधन) है क्योंकि दिल्ली और बिहार के उनके नेता जमानत पर बाहर हैं।'

आश्चर्य की बात यह है कि राहुल गांधी के सलाहकार बेलछी कांड में दलितों की हत्या के विरोध में आक्रोश व्यक्त करने के लिए 1977 में प्रतिपक्ष की नेता के रूप में श्रीमती इंदिरा गांधी के जाने से हुए राजनीतिक लाभ का जिक्र करते हुए दलितों पर अत्याचार का मुद्दा वर्तमान दौर में भी लाभदायक समझ रहे हैं। वे 1970 से 1990 के दौरान हुए दलित हत्याकांडों और बिहार के भागलपुर में हुए सबसे बड़े सांप्रदायिक दंगों में सैकड़ों लोगों के मारे जाने के तथ्य को कैसे भूल रहे हैं क्योंकि तब वहां कांग्रेस की ही सरकारें थीं। इसे संयोग ही कहा जा सकता है कि 1972 से पत्रकारिता में होने के कारण मुझे बिहार के मुख्यमंत्रियों केदार पांडे, अब्दुल गफूर, जगन्नाथ मिश्र, कर्पूरी ठाकुर, भोला पासवान शास्त्री, रामसुंदर दास, चंद्रशेखर सिंह, बिंदेश्वरी दूबे, भागवत झा आजाद, सत्येंद्र नारायण सिन्हा, लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार से मिलने और उनके कार्यकाल के दौरान घटनाचक्रों पर लिखने और बोलने के अवसर मिले हैं। जहानाबाद में दलितों के हत्याकांड और भागलपुर के सांप्रदायिक दंगों की भयावह घटनाओं के समय कांग्रेस के ही मुख्यमंत्री थे और मैं स्वयं नवभारत टाइम्स के पटना संस्करण का संपादक था। उस समय की घटनाओं पर सर्वाधिक रिपोर्ट और टिप्पणियां हमने लिखी और प्रकाशित की थी।

भागलपुर दंगे की शुरुआत अक्टूबर 1989 में हुई और यह कई महीनों तक चलता रहा। इस हिंसा में लगभग 1000 से अधिक लोगों की जान गई, जबकि हजारों लोग बेघर हो गए। अधिकांश पीड़ित मुस्लिम समुदाय से थे, परंतु हिंदू समुदाय के भी कई लोग हिंसा के शिकार बने। 24 अक्टूबर 1989 को भागलपुर के परवती और लोदीपुर क्षेत्रों में जुलूस के दौरान विवाद हुआ। एक छोटी सी झड़प ने देखते-देखते पूरे शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों को अपनी चपेट में ले लिया।

कई गाँवों में आगजनी और लूटपाट हुई, दर्जनों मस्जिदें और घर जला दिए गए, महिलाएँ और बच्चे तक हिंसा से नहीं बचे। अधिकारिक आंकड़ों के अनुसार करीब 900 से अधिक लोग मारे गए, जबकि स्वतंत्र रिपोर्टों में यह संख्या 2000 से ऊपर बताई गई।

विपक्ष और मानवाधिकार संगठनों ने आरोप लगाया कि सरकार ने राजनीतिक कारणों से सख्त कदम नहीं उठाए। दंगे की जांच के लिए बाद में कई समितियाँ और न्यायिक आयोग गठित किए गए।

मुख्य रूप से न्यायमूर्ति एन. एन. सिंह आयोग और बाद में न्यायमूर्ति राम नंदन प्रसाद आयोग ने घटनाओं की विस्तृत जांच की। इन रिपोर्टों में स्पष्ट कहा गया कि– पुलिस ने निष्पक्षता नहीं बरती, स्थानीय अधिकारियों ने हिंसा रोकने के लिए समय पर कदम नहीं उठाए।

भागलपुर दंगे ने बिहार और राष्ट्रीय राजनीति पर गहरा प्रभाव छोड़ा। कांग्रेस की छवि धर्मनिरपेक्षता की मुखर पक्षधर होने के बावजूद कमजोर पड़ी। आगामी 1990 के विधानसभा चुनावों में जनता दल ने इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया, जिसके परिणामस्वरूप लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व में कांग्रेस को करारी हार मिली। यह घटना बिहार की राजनीति में मंडल बनाम कमंडल की लड़ाई का भी अहम मोड़ बनी। कई वर्षों तक दंगे के पीड़ित शरणार्थी शिविरों में रहे। केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा मुआवजे की घोषणाएँ की गईं, परंतु ज्यादातर पीड़ितों को न्याय या पूर्ण पुनर्वास नहीं मिला।

1970 के दशक का उत्तरार्द्ध बिहार के सामाजिक-राजनीतिक इतिहास का अत्यंत उथल-पुथल भरा दौर था। जातिगत संघर्ष, भूमि विवाद, और राजनीतिक अस्थिरता ने राज्य के ग्रामीण समाज को गहराई तक प्रभावित किया। आपातकाल (1975-77) के बाद जब इंदिरा गांधी सत्ता से बाहर हुईं, तब बिहार जैसे राज्यों में कांग्रेस की स्थिति काफी कमजोर पड़ गई थी। इसी राजनीतिक परिदृश्य में 1977 के बेलछी नरसंहार (कांड) ने देश को झकझोर दिया और एक बार फिर इंदिरा गांधी को जनता से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान किया। यह घटना बेलछी गाँव, (नालंदा) में 27 मई 1977 को हुई थी। बेलछी कांड मूलतः जातिगत हिंसा का वीभत्स उदाहरण था। गाँव में भूमिहार और दलित (हरिजन, पासवान) समुदायों के बीच लंबे समय से जमीन और मजदूरी को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद ने 27 मई को भयावह रूप ले लिया जब सवर्ण भूमिहारों के समूह ने 11 दलितों और पिछड़ों को घेरकर एक झोपड़ी में बंद कर दिया और उन्हें जिंदा जला दिया। जब बेलछी कांड की खबर उन्हें मिली, तो वे तत्काल वहाँ जाने का निर्णय लिया। उस समय बिहार में बारिश के कारण सड़कों की स्थिति बेहद खराब थी। वाहन से जाना लगभग असंभव था। उन्होंने पहले ट्रेन से पटना तक की यात्रा की, फिर जीप में आगे बढ़ीं। रास्ता खराब होने पर उन्होंने ट्रैक्टर और फिर हाथी का सहारा लिया। अंततः कई घंटे की कठिन यात्रा के बाद इंदिरा गांधी बेलछी गाँव पहुँचीं। इंदिरा गांधी की इस यात्रा का प्रभाव तत्काल राजनीतिक स्तर पर देखने को मिला। जहाँ जनता पार्टी के नेता जातीय हिंसा और प्रशासनिक अक्षमता के आरोपों में उलझे थे, वहीं इंदिरा गांधी ने स्वयं को एक संवेदनशील और दृढ़ नेता के रूप में पुनः स्थापित किया।

1980 के दशक में बिहार के खासकर जहानाबाद और उसके आसपास के इलाकों में जमीन, जाति और राजनीतिक-पठित हिंसा ने सामूहिक हत्या और दमन का भयावह चेहरा दिखाया। स्थानीय जमींदार, जातिगत मिलिशिया, सशक्त दलित उठान तथा नक्सली गतिविधियों के आपसी द्वन्द्व ने नियंत्रणहीन हिंसा और बदले की कार्रवाईयों को जन्म दिया। ऐसी घटनाओं में अक्सर स्थानीय राजनीतिक संस्थाओं और नेताओं के समर्थकों पर भी संगठित हिंसा का आरोप उठते रहे

जहानाबाद जिले में जून-जुलाई 1988 के आसपास नॉन्हीगढ़ और नागवान के पास दलित बस्तियों पर एक संगठित हमले में कई हरिजनों की हत्या हुई। कुछ रिपोर्टों के अनुसार इस हमले में 19 हरिजन मारे गए। इस घटना ने प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व पर तीव्र प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए थे – बाद में अभियुक्तों के खिलाफ मुक़दमों व सज़ाओं की कार्रवाई भी चली। इन कत्लेआम घटनाओं की पृष्ठभूमि सिर्फ जातिगत द्वेष नहीं रही – स्थानीय शक्तिशाली राजनीतिक इकाइयों, सांसद/विधायक या उनके निकटस्थ समर्थकों पर भी हमलों में भूमिका के आरोप उठते रहे। 1980 के दशक में कुछ मामलों में कांग्रेस (या अन्य स्थानीय राजनीतिक समूहों) के स्थानीय नेताओं/सपोर्टरों पर आरोप लगे कि उन्होंने या उनके समर्थकों ने हिंसा को संरक्षण या दिशा दी – पर हर मामले में राजनीतिक जुड़ाव बराबर प्रमाणित नहीं हुआ; कई मामलों में लंबी मुक़दमेबाजी और बिना-नतीजे वाली जांचों की शिकायत भी रही।

जहानाबाद और आसपास के इलाकों में 1980 के दशक की इन हत्याओं की कहानी केवल अतीत की कथा नहीं है – यह बताती है कि जब जमीन, जाति, व राजनीतिक शक्ति मिले तो सामाजिक सुरक्षा कहाँ फेल हो सकती है। इन घटनाओं ने यह भी उजागर किया कि त्वरित, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच तथा न्यायिक प्रक्रिया तथा सामाजिक-आर्थिक सुधार ही ऐसी हिंसा को जड़ से खत्म कर सकती हैं। मानवाधिकार संगठनों, मीडिया और सामाजिक आंदोलनों की निरन्तर निगरानी एवं पीड़ितों की आवाज़ को न्यायपालिका तक पहुँचाना आवश्यक रहा। दुखद बात यह रही कि जहानाबाद में दलितों की हत्या करने वाले अपराधियों को काँग्रेस के बड़े नेता का संरक्षण मिलने का गंभीर आरोप रहा। लेकिन काँग्रेस आलाकमान ने इसे निरंतर सांसद बनाए रखने में भी संकोच नहीं किया। इसे जातीय समीकरण के साथ धनबल और बाहुबली की राजनीति के रूप में याद किया जाता है। एक बार राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा ने मेरी अनौपचारिक मुलाकात के दौरान काँग्रेस पार्टी और सरकार द्वारा ऐसे बाहुबली नेता को प्रश्रय दिए जाने पर गहरा दुख व्यक्त किया था। इस तरह बिहार की राजनीति में जातीय और सांप्रदायिक संघर्ष का मुद्दा निरंतर रहा है।

सुविचार

अंत का इंतज़ार ही नहीं करना चाहिए, उसका इंतज़ाम भी करना चाहिए।
-कृष्ण बलदेव वैद

निशाना

राजनीति में द्वेष - भाव..!

नीति राज चौरे 'नीति'

साँच को आती नहीं है आंच
हम बचपन से रहे यही बांच,
लेकिन जो हैं कच्चे कान के
वे बन जाते हैं दुश्मन जान के,
उनके मन में हर पल यहां,
नित्य पलते नए नए षड्यंत्र है,
आम जन का चाहें सदा बुरा
यही इनकी जिंदगी के मूल मंत्र हैं ,
भ्रष्टाचारी तो अपना गलत काम
किसी तरह सही कर जाता है,
रिश्वत के रुपयों को बहाकर,
निर्दोष दरिया में गोते लगाता है।
चमचों के मुख से जो,
जिंदाबाद के नारे लगवाते हैं,
झूठी तरीफो के पुल से,
जनता को भरमाते है,
उनके मन में छिपी हुई,
सामने लाया हूं अभिलाषा,
राजनीति में द्वेष भाव की,
इनकी यही है परिभाषा ।।

छठ पूजा एक अद्भुत और अद्वितीय पर्व

चंद्रकिशोर शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

हमारी इस सृष्टि में जो शाश्वत और साक्षात् देव का अगर कोई दर्शन होता है तो वो है भगवान सूर्य जिनकी हम पूजा सामुहिक तौर पर उगते हुए भी और डूबते हुए भी का अर्घ देकर छठ पर्व के रूप में पूजा कर हम सभी धन्य होते हैं वास्तव में छठ पूजा एक अद्भुत और अद्वितीय पर्व है, जो बिहार से शुरू होकर आज पूरे देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में अपने व्यापक रूप में अवतरित हो चुका है। यह पर्व न केवल सूर्य देव की पूजा का एक अवसर है, बल्कि यह पर्व पारिवारिक और सामाजिक सौहार्द का भी प्रतीक है।

छठ पूजा का महत्व न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से है, बल्कि यह पर्व सामाजिक और पारिवारिक दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण है। यह पर्व महिलाओं के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो इस पर्व के माध्यम से अपने परिवार और समाज के लिए प्रार्थना करती हैं।

छठ पूजा का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह पर्व उन महिलाओं के लिए भी एक अवसर है, जो संतान प्राप्ति की कामना करती हैं। माँ छठी मईया के आशीर्वाद से उन्हें पुत्र-पुत्री रत्न प्राप्त होते हैं और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

आज के समय में, छठ पूजा का पर्व विश्व स्तर पर बहुत व्यापक हो गया है और हिंदुस्तान के लगभग सभी प्रदेशों, प्रांतों और गांवों में इसका बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया जाता है। यह पर्व वास्तव में एक अद्भुत और अद्वितीय पर्व है, जो हमें हमारी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ता है।

आपको को हम बताते चलें कि सनातनी पर्वो में आज छठ पूजा एक बहुत बड़े पर्व के रूप में माता छठी मईया के साथ पूजा का आयोजन पूरे विश्व में हो रहा हैद्य इसमें हम भारतीय तो है ही यूरोपीय लोग भी इसमें बढ़ चढ कर हिस्सा ले रहें हैं।

छठ पूजा का यह अद्भुत और अद्वितीय पर्व वास्तव में सूर्य देव और माँ छठी मईया की पूजा का एक अवसर है, जिसमें प्राकृतिक फलों और फूलों को चढ़ाकर उनके प्रति अपना मनोभाव और अंतर मन से समर्पण प्रकट किया जाता है।माँ छठी मईया के बारे में कहा जाता है कि उनका आशीर्वाद जिन लोगों को प्राप्त होता है, उनकी पूजा तो बहुत कठिन है, जो माताएं और बहनें निराजली करती हैं। 48 घंटों का निराजला होना एक बहुत बड़ी तपस्या है, और उस तपस्या के साथ माँ फलित भी उन माताओं और बहनों को करती हैं।

लोक कल्याण के प्रति भी यह भाव और उनका आशीर्वाद हमेशा मिलता रहता है। छठ पूजा का यह पर्व वास्तव में एक अद्भुत और अद्वितीय पर्व है, जो हमें हमारी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ता है।

छठ पूजा के कुछ महत्वपूर्ण पहलू हैं: सूर्य देव और माँ छठी मईया की पूजा, प्राकृतिक फलों और फूलों को चढ़ाना, निराजली और तपस्या, लोक कल्याण के प्रति भाव और आशीर्वाद, संस्कृति और परंपराओं का संरक्षण मिलता है।

अवेयरनेस -अलर्ट

कबूतरों को दाना डालना पड़ेगा महंगा, फेफड़े हो सकते हैं ख़राब

भूखे को खाना खिलाना बहुत ही पुण्य का काम होता है लेकिन क्या आप यह जानते हैं कि कबूतरों को दाना डालना बीमारियों को न्योता दे सकता है। हाल ही में हुई एक रिसर्च से इस बात का पता चला है कि कबूर की बीट से सांस से जुड़ी गंभीर बीमारियां हो सकती है जो जानलेवा भी साबित हो सकती है। दअरसल कबूतरों की बीट में मौजूद बैक्टीरिया सांस की बीमारियां पैदा कर सकता है। यह बैक्टीरिया हवा के जरिए लंग्स तक पहुंच जाता है जिससे सिटीकोसिस नामक इंफेक्शन हो जाता है। कबूतर की बीट में कई माइक्रोऑर्गेनिज्म होते हैं। इसमें एक ऐसा फंगी पाया जाता है जो बेहद खतरनाक होता है। इस फंगी को हिस्टटोप्लाज्मा कैप्सूलटम कहा जाता है। हालांकि यह फंगी केवल कबूतर की बीट में ही नहीं पाया जाता है बल्कि यह अन्य कई पक्षियों की बीट में मौजूद होता है। डॉ पीयूष मिश्रा, जनरल फिजिशियन एंड इम्यूनाइजेशन ऑफिसर ,नॉर्थ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट, नई दिल्ली, के मुताबिक जब कबूतर का मल सूख जाता है तो यह फंगी एयरबोर्न हो जाता है है जिससे ब्रीदिंग इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है।आइए जानते हैं कबूतर की बीट किस तरह से आपको बीमार बना सकती है और इससे बचाव के क्या तरीके हैं।

इन्हें रहता है अधिक खतरा: कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को कबूत की बीट से होने वाली बीमारियों का खतरा सबसे अधिक रहता है। इसके अलावा बुजुर्गों, छोटे बच्चों, अस्थमा या फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोग भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। जानकारों के अनुसार कबूतरों की बीट या पंखों के संपर्क में लंबे समय तक रहने से सांस से जुड़ी बीमारियों का रिस्क बढ़ जाता है। कबूतरों की सूखी बीट को साफ करते समय कुछ जरूरी सावधानियां बरतनी बेहद जरूरी है ।

सेविंग्स गाइड

बिजली का फैंटम लोड कम करेंगे तो बिल में हो सकती है 10 फ़ीसदी बचत

जब भी भारी-भरकम बिजली बिल आता है तो लोग परेशान हो जाते हैं, उन्हें चिंता होने लगती है कि ऐसा क्या किया जाए कि बिजली बिल कम हो। कुछ लोग तो तमाम प्रयास करने के बाद भी अपना बिजली बिल कम नहीं कर पाते हैं। CNET के एक सर्वे में पता चला कि 80% लोग अपने बिजली बिल से तनाव में रहते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बिजली बिल बढ़ने का बड़ा कारण फैंटम लोड भी है। ज्यादातर लोगों को इसके बारे में पता ही नहीं है कि यह क्या होता है और इससे कैसे बिजली बिल बढ़ जाता है।

फैंटम लोड उस बिजली को कहते हैं जो डिवाइस बंद होने पर भी खर्च होती रहती है । कई उपकरण जैसे टीवी, कंप्यूटर, चार्जर और स्मार्ट फ्रिज, बंद होने के बाद भी बिजली खींचते हैं। जैसे- टीवी या म्यूजिक प्लेयर स्टैंडबाय रहते हैं, तो ये बिजली खाते हैं। चार्जर में फोन नहीं लगा है तो भी ये बिजली खींचता है। ऐसे स्मार्ट डिवाइस जिनमें डिस्प्ले या इंटरनेट हमेशा चालू रहता है, वे भी बिजली खाते हैं। ऐसे डिवाइस आपके बिजली बिल में हर महीने 5% से 10% तक खर्च जोड़ देते हैं।

कितनी बचत हो सकती है?: ऊर्जा विशेषज्ञों के मुताबिक, फैंटम लोड घर की कुल बिजली का 5% से 10% हिस्सा खा जाता है। कोलोराडो स्टेट यूनिवर्सिटी के एक रिसर्च में पाया गया कि एक रेडियो/CD प्लेयर भले ही बंद हो, फिर भी 4 वाट बिजली खींचता है। इसे अनप्लग करने से इसके पूरे लाइफ में 100 गुना बिजली बच सकती है। नेचुरल रिसोर्सेज डिफेंस काउंसिल की स्टडी कहती है कि फैंटम लोड कम करने से हर साल 800 करोड़ डॉलर की बचत हो सकती है। औसतन, हर घर 165 डॉलर यानी लगभग 13,000 रुपये तक बचा सकता है।

बिजली बचाने का सबसे आसान तरीका है उन उपकरणों को अनप्लग करना जो इस्तेमाल में नहीं हैं। टीवी या पुराने म्यूजिक प्लेयर को अनप्लग करें। चार्जर से फोन को हटाने के बाद अनप्लग करें। पुराने फोन या लैंप जो अब काम नहीं आते, उन्हें हटा दें। अगर बार-बार अनप्लग करना मुश्किल हो, तो स्मार्ट प्लग या सर्ज प्रोटेक्टर लें। ये एक बटन से कई डिवाइस बंद कर सकते हैं। स्मार्ट प्लग से आप टीवी को सिर्फ शाम या वीकेंड पर चालू करने का समय सेट कर सकते हैं। ऐसा करने से बिजली बिल 10% तक कम हो सकता है।

टेक्नोलॉजी

दिमाग पढ़ना चाहते हैं OpenAI के सीईओ सैम, मस्क की न्यूरालिंक को मिलेगी टक्कर

OpenAI के CEO सैम ऑल्टमैन अब इंसान के दिमाग को पढ़ने की कोशिश में लग गए हैं। आर्टिफिशियल इंटीलेजेंस के बाद अब वे एक नए स्टार्टअप की तरफ बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे मर्ज लैब्स (Merge Labs) नाम के स्टार्टअप के साथ काम कर रहे हैं। यह कंपनी बिना सर्जरी के एक ऐसा ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस बनाने पर काम कर रही है, जो ध्वनि तरंगों और चुंबकीय क्षेत्रों का इस्तेमाल करके इंसान के विचारों को समझने में सक्षम होगा। इससे ऑल्टमैन, एलन मस्क की न्यूरालिंक को सीधा टक्कर देने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, इन दोनों कंपनियों के काम करने के तरीके बिल्कुल अलग होंगे।

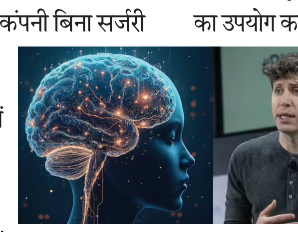

मर्ज लैब्स अल्ट्रासाउंड और जेनेटिक इंजीनियरिंग का इस्तेमाल करेगा। इंसान के दिमाग को मशीनों से जोड़ने का यह एक बहुत ही आसान तरीका है। द वर्ज की एक रिपोर्ट के अनुसार, ऑल्टमैन, मर्ज लैब्स के लिए एक शानदार संस्थापक टीम बना रहे हैं। इसमें कैल्टेक के प्रसिद्ध बायोमॉलिक्यूलर इंजीनियर Mikhail Shapiro भी शामिल हैं। बता दें कि इन्हें न्यूरल इमेजिंग और ध्वनि तरंगों से दिमाग को जोड़ने के क्षेत्र में अपनी योग्यता के लिए जाने जाते हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि टूल्स फॉर ह्यूमैनिटी के सीईओ एलेक्स ब्लानिया भी इसमें अहम भूमिका निभाएंगे।

न्यूरोलिंक से है अलग यह: इससे साफ समझ आता है कि कंपनी का उद्देश्य दिमाग को खोले बिना ही ध्वनि तरंगों और चुंबकीय क्षेत्रों का उपयोग करके एक दिमाग-कंप्यूटर इंटरफेस बनाना है। हालांकि, यह न्यूरालिंक के अलग है। उसके लिए सर्जरी की जरूरत होती है। मर्ज लैब्स का लक्ष्य बिना किसी सर्जरी के दिमाग और कंप्यूटर के बीच सीधा संबंध बनाना है। एलन मस्क की न्यूरालिंक कंपनी दिमाग में चिप लगाने का काम करती है, जिसके लिए सर्जरी की जरूरत पड़ती है। सैम ऑल्टमैन को इस तरह की सर्जरी पसंद नहीं है। उन्होंने खुद कहा है कि वे अपने दिमाग में कुछ भी नहीं लगवाएंगे, लेकिन वे इंसानी विचारों को कंप्यूटर से जोड़ने के विचार में बहुत रुचि रखते हैं। मर्ज लैब्स का लक्ष्य यही है। वे चाहते हैं कि एआई इंसानी विचारों को समझ सके, लेकिन उन्हें बदल न सके। बता दें कि इसे रीड-ओनली तकनीक कहते हैं। यह नई कंपनी किस तरह और किन-किन लोगों के साथ मिलकर काम करेगी, अभी इस बारे में सटीक जानकारी नहीं है।

सांदीपनि स्कूल में शिक्षक समस्या निदान शिविर, शीघ्र समाधान का मिला आश्वासन

अनेक समस्याओं के 48 आवेदन आए इनमें 32 एरियर नहीं मिलने के शामिल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सांदीपनि स्कूल में शिक्षक समस्या निदान शिविर का आयोजन किया गया। सूचना के अभाव में शिविर में कम संख्या में शिक्षक पहुंचे। जो शिक्षक शामिल हुए उनमें भी अधिकतर की समस्याएं एरियर संबंधी हीं थी। शिविर में मौजूद बीईओ उमेश सोनी और संकुल प्राचार्य प्रमोद जैन ने शिक्षकों की समस्या को बारी-बारी से सुना और उनसे लिखित में आवेदन भी लिए। बीईओ ने समय पर वेतन प्रदान करने और एरियर की राशि के भुगतान संबंधी जानकारी भी दी। वहीं उनकी समस्या के जल्द ही निदान का आश्वासन भी दिया। इस दौरान शिविर में 48 आवेदन प्राप्त हुए और इनमें से 32 आवेदन एरियर संबंधी थी। इसको लेकर शिक्षकों की अपनी-अपनी व्यथा। जिसे उन्होंने अपने आवेदनों में बयां की।

प्राथमिक शाला उनारसीताल के शिक्षक खिलानसिंह अहिरवार ने बताया कि मेरी नियुक्ति 28 फरवरी 2007 की है। इसी दिन अन्य शिक्षकों की नियुक्ति भी हुई थी लेकिन उनका वेतन मेरे से ज्यादा है। जिसके चलते क्रमोन्नति और एरियर का भी कम भुगतान किया जा रहा है। इस संबंध में पूर्व भी आवेदन दिया था लेकिन आज तक समस्या का निदान नहीं हो सका है।

माध्यमिक शिक्षक संतोष कुमार द्विवेदी ने अपने आवेदन में बताया कि छठवें वेतनमान के फिक्शेसन में एक पीआरसी कम होने के कारण कोर्ट केस किया था और इसके निर्णय के आधार पर जिला शिक्षा अधिकारी से केस से जुड़े सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का वेतन पुर्ननिर्धारण कर प्रदान की जाने वाली एरियर राशि और कटोत्रा संबंधी निर्देश सभी विकासखंड में दिए थे लेकिन इसका लाभ आज तक प्रदान नहीं किया गया है। मई 2025 में आयोजित पिछले शिविर में भी प्रथम क्रमोन्नति वेतनमान संबंधी आवेदन दिया था लेकिन समाधान नहीं हो सका।

समस्या निदान नहीं हुआ को कोर्ट में याचिका लगाएंगे

माध्यमिक शिक्षक वेदप्रकाश राजपूत ने बताया कि सहायक ग्रेड 3 द्वारा नियमानुसार क्रमोन्नति वेतनमान और एरियर नहीं बनाया जा रहा है। सातवें वेतनमान की पांचवी किस्त का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। मेरी सर्विस बुक और अन्य गोपनीय दस्तावेजों की जानकारी भी अन्य व्यक्ति को प्रदान कर दी गई है। संकुल प्राचार्य भगवंतपुर द्वारा उपस्थिति नहीं देने के कारण अगस्त माह का वेतन भी प्रदान नहीं किया गया है। उन्होंने अपनी समस्या का निदान नहीं होने की स्थिति में ग्वालियर खंडपीठ में याचिका लगाने की बात भी आवेदन में कही है।

शीघ्र करेंगे समाधान

बीईओ उमेश सोनी ने बताया कि शिविर में 48 आवेदन प्राप्त हुए थे। इसमें 32 एरियर संबंधी थी। हमने सभी के आवेदन ले लिए हैं। एक-दो दिन में इन पर चर्चा कर शीघ्र समाधान करेंगे।

बैठक कर की चर्चा

श्री द्वारिकाधीश मंदिर में छप्पन भोग की तैयारी, 30 को उमड़ेंगे श्रद्धालु

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

इटारसी आंवला नवमी के पावन अवसर पर श्री द्वारिकाधीश मंदिर में इस वर्ष भी भक्तिभाव से ओतप्रोत छप्पन भोग का आयोजन 30 अक्टूबर को श्रद्धापूर्वक संपन्न होगा। ठाकुर जी के दर्शनों और छप्पन भोग के प्रसाद वितरण की तैयारी मंदिर परिसर में जारी है। मंदिर से जुड़ी लगभग 100 भक्तों की पदविहीन छप्पन भोग समिति प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी विशाल आयोजन कर रही है। समिति द्वारा जिले और नगर के सभी श्रद्धालुओं को इस भक्तिमय कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आमंत्रण दिया गया है। बीते रविवार से शुरू हुई तैयारियों में भक्तजन पूरे उत्साह से जुटे हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी करीब 10 हजार श्रद्धालु ठाकुर जी के चरणों में समर्पित छप्पन भोग की प्रसादी का लाभ उठाएंगे। आयोजन के तहत शाम 6 बजे गिरिराज जी के पवित्र दर्शन होंगे, जबकि शाम 7.15 बजे से छप्पन भोग के दर्शन प्रारंभ होंगे।

नर्मदा नदी के घाटों और पथरौटा नहर पर रहेगी छठ पर्व की रौनक

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा का आज तीसरा दिन है। सोमवार शाम श्रद्धालु डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। पूर्वांचल और उत्तर भारत से जुड़े परिवार नर्मदा नदी के घाटों—सेठानी घाट, विवेकानंद घाट और पोस्ट ऑफिस घाट—पर एकत्र होकर सूर्य देवता की आराधना करेंगे। घाटों पर छठी मइया के गीतों और पूजा-सामग्री के साथ भक्तिमय वातावरण बना रहेगा।

नगर पालिका द्वारा घाटों की सफाई और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई है। मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन होगा। महिलाएं भास्कर देवता और छठी मइया से अपने पति और पुत्र की लंबी आयु की कामना करेंगी। यह पर्व 25 अक्टूबर को नहायखाय के साथ प्रारंभ हुआ था। रविवार को खरना के दिन व्रतियों ने दिनभर उपवास रखा और शाम को पूजा-अर्चना के बाद खीर का प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद से व्रती 36 घंटे के निर्जला उपवास में हैं, जिसका समापन मंगलवार प्रातः सूर्योदय के अर्घ्य के साथ होगा। उधर इटारसी में भी पूर्वांचल और उत्तर भारत से जुड़े परिवार पथरौटा नहर पर पहुंचकर आज शाम ओर मंगलवार सुबह की पूजा करेंगे। नर्मदापुरम में एक बैंक में पदस्थ संतोष शर्मा, जो मूलतः बिहार के निवासी हैं, ने छठ पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ÷छठ केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि यह मां और मातृत्व का उत्सव, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक, और लोक आस्था की सबसे उजली किरण है। यह पर्व हमें सिखाता है कि भक्ति दिखावे में नहीं, जीवन की सादगी और समर्पण में बसती है। आज जब आधुनिकता की दौड़ में परंपराएँ पीछे छूट रही हैं, तब छठ हमें अपनी जड़ों की ओर लौटने, जल-संरक्षण और पर्यावरण की रक्षा का संदेश देता है।

सांसद ने कार्यकर्ताओं के साथ सुनी पीएम की मन की बात

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात रविवार को भरतपुर में भाजपाइयों और आमजन ने उत्साहपूर्वक सुना। नगर मंडल भरतपुर के बूथ-178, वार्ड 16 में महिला मोर्चा शहर मंडल अध्यक्ष अनामिका चौधरी के निवास पर राज्यसभा सांसद माया नारोलिया की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने प्रधानमंत्री के संवाद को ध्यानपूर्वक सुना और विचार साझा किए। सांसद नारोलिया ने मन की बात को देशभर में सकारात्मक ऊर्जा एवं जनभागीदारी को बढ़ाने वाला प्रेरणादायक संवाद बताया। कार्यक्रम में भाजपा शहर मंडल अध्यक्ष संजीव शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष शौर्य सिंह, हर्षल गोयल, मंत्री तेजराज सिंह इंडोलिया, मानवेंद्र सिंह, दीपेंद्र सिंह, अमर सिंह, बदन सिंह, रेनु सिंह, साक्षी, सोन देवी, ज्योति सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सांसद खेल महोत्सव

नर्मदापुरम में आज से प्रतियोगिताओं की हुई शुरुआत

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

युवाओं में खेल एवं फिटनेस के प्रति उत्साह जागृत करने और खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित सांसद खेल महोत्सव-2025 की प्रतियोगिताओं का आज से नर्मदापुरम में विधिवत शुभारंभ हुआ। महोत्सव का औपचारिक उद्घाटन पूर्व दिवस पर मंत्री विश्वास सारंग द्वारा किया गया था। आज सुबह 11बजे के करीब सांसद दर्शन सिंह चौधरी की उपस्थिति में उद्घाटन समारोह डॉल्फिन बैडमिंटन अकैडमी, बुधवाड़ा में शुरू हुआ। जिला खेल अधिकारी उमा पटेल ने बताया कि बैडमिंटन और कबड्डी की प्रतियोगिताएं प्रारंभ हो गई हैं। वहीं, अत्यधिक वर्षा के कारण फुटबॉल, वॉलीबॉल, खो खो ओर क्रिकेट और अन्य स्पर्धाएं आगामी सूचना तक स्थगित की गई हैं।

नर्मदापुरम में पार्किंग विवाद से बढ़ा तनाव, फायरिंग व अड़ीबाजी के आरोप में चार आरोपी किए गिरफ्तार

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

थाना कोतवाली पुलिस ने बजरंग चौक, ग्वालटोली क्षेत्र में पार्किंग विवाद के चलते हुए फायरिंग व अड़ीबाजी की घटना में आरोपियों को कुछ घंटों में ही गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। 25 अक्टूबर की रात दो पक्षों के बीच आपसी रंजिश के चलते विवाद हुआ, जिसमें दोनों ओर से गाली-गलौज, मारपीट, धमकी और फायरिंग की घटनाएं सामने आईं। घटना के बाद थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक कंचन सिंह ठाकुर के निर्देशन में तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों को हिरासत में लिया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी अनुज मेषकर (19), निवासी बजरंग चौक ग्वालटोली की रिपोर्ट पर सूरज कुचबंदिया (23) और सागर कुचबंदिया (24) के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया गया। वहीं दूसरी ओर फरियादी सूरज कुचबंदिया की रिपोर्ट पर प्रथम मेषकर (21) एवं अनुज मेषकर (19) के विरुद्ध मामला दर्ज हुआ। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सूरज कुचबंदिया उर्फ गौहर, सागर कुचबंदिया, प्रथम मेषकर और अनुज मेषकर को गिरफ्तार कर लिया। सूरज कुचबंदिया से घटना में प्रयुक्त एक देशी पिस्टल एवं खोखे बरामद किए गए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक कंचन सिंह ठाकुर के नेतृत्व में उपनिरीक्षक हेमंत निशोध, जितेंद्र चौहान, विशाल नागवे, संजय रघुवंशी, रीतेश यदुवंशी सहित पुलिस बल की विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश की गई। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी आदतन अपराधी हैं और इनके विरुद्ध थाना कोतवाली में पूर्व से भी कई प्रकरण दर्ज हैं। मामले की विवेचना जारी है।

मेट्रो एंकर — शहर में पिच्छिका परिवर्तन समारोह आयोजित

संयम एवं जीव दया के साथ दिगम्बर मुनि की परिचायक होती है पिच्छिका: मुनि संभव सागर

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

नगर में विराजमान मुनि संघ के चातुर्मास के उपरांत भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह का आयोजन स्थानीय तारण तरण दिगंबर जैन पाठशाला में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम मंगलाचरण की मंगलमय प्रस्तुति श्री वीर सागर पाठशाला में अध्यनरत बच्चियों द्वारा प्रस्तुत की गई। मंगलाचरण के उपरांत दीप प्रज्वलन भगवान का चित्र अनावरण मुनि संघ के गृहस्थ जीवन के परिवार जन द्वारा किया गया।

आचार्य श्री विद्यासागर महाराज एवं नवाचार्य समय सागर जी महाराज की संगीत मय पूजन में अर्घ समर्पित करने का सौभाग्य बाल ब्रम्हचारी भैया एवं बहनों के साथ नगर के सभी जिनालय की समितियों एवं जैन समाज द्वारा संचालित दोनों गौशाला के पदाधिकारियों को प्राप्त हुआ। मुनि वीर सागर पाठशाला के भैया बहनों के अलावा महिला मंडल द्वारा भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरांत पिच्छिका परिवर्तन कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जिसमें निर्यापक मुनि संभव सागर महाराज की पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य सोनिया मयंक जैन, मुनि श्री निस्सीम सागर जी महाराज की पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य सौम्या सिरिल कुमार जैन, मुनि श्री श्रमण सागर महाराज की पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य दीपा आलोक कुमार जैन, मुनि श्री संस्कार सागर जी महाराज की पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य कीर्ति मुन्ना लाल जैन , मुनि श्री ओंकार सागर जी महाराज की पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य अमिता अजय जैन एवं ऐलक गौरव सागर महाराज की पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य राजीव जैन को प्राप्त हुआ। सभी पिच्छिका प्राप्त करने वाले परिवारों ने झूमते गाते हुए मुनि संघ से आशीर्वाद लिया।

हरदा में किसानों को आज खाद का वितरण

हरदा, दोपहर मेट्रो

जिले में रबी सीजन के लिए किसानों को यूरिया, डीएपी और एपीएस उर्वरक आज से उपलब्ध होंगे। कृषि उप संचालक जवाहरलाल कास्दे ने बताया कि किसान अपने आधार कार्ड और ऋण पुस्तिका के साथ निर्धारित वितरण केंद्रों पर पहुंचकर खाद प्राप्त कर सकते हैं। यह व्यवस्था किसानों को उर्वरक की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए की गई है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी मन की बात

सिरोंज। विधायक उमाकांत शर्मा के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का सामूहिक श्रवण किया। यह कार्यक्रम भाजपा चितावर मंडल के अंतर्गत आने वाले ग्राम झूकर होज मतदान केंद्र क्रमांक 123 में आयोजित किया गया, कार्यक्रम की शुरुआत महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके पश्चात सभी ने एकजुट होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को सुना। इस अवसर पर चितावर मंडल अध्यक्ष चरण सिंह राजपूत, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि हमीर सिंह यादव, पूर्व जनपद अध्यक्ष जितेंद्र बघेल, कमल सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक उमाकांत शर्मा ने स्थानीय कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मन की बात कार्यक्रम में मोदी जी विभिन्न विषयों पर हम सबको मार्गदर्शन देते हैं।

मच्छरदानी के तार से कैदी ने गला काटा

कटनी। जिला जेल में विचाराधीन कैदी दीपक अहिरवार ने रविवार दोपहर आत्महत्या का प्रयास किया। उसने मच्छरदानी के तार से अपना गला काट लिया। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में एडमिट कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। दीपक अहिरवार को तीन महीने पहले जीआरपी पुलिस ने चोरी के एक मामले में गिरफ्तार किया था। तब से वह जिला जेल में विचाराधीन कैदी के तौर पर बंद था। दीपक अहिरवार ने कुछ दिन पहले जेल प्रशासन से जेल के अंदर गुटखा मिलने की शिकायत की थी। इस शिकायत के बाद जेल में बंद एक अन्य कैदी दीपक मोटवानी ने दीपक अहिरवार के साथ मारपीट की थी। जेल प्रशासन ने इस घटना के बाद दोनों कैदियों को अलग-अलग बैरकों में स्थानांतरित कर दिया था। माना जा रहा है कि मारपीट और आंतरिक विवाद के कारण हुए अवसाद में आकर दीपक अहिरवार ने यह कदम उठाया। उसने बैरक में तार का उपयोग कर गला काटने का प्रयास किया।

प्रतियोगिता में राजगढ़ और विदिशा बने चैंपियन

मंडीदीप। शहर के विवेक जागृति स्कूल में अमेच्योर कबड्डी एसोसिएशन जिला रायसेन द्वारा आयोजित भोपाल जोन जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता में राजगढ़ और विदिशा की टीमें चैंपियन बनीं। इस प्रतियोगिता में भोपाल, रायसेन, विदिशा, राजगढ़ और सीहोर की अंडर-16 बालक और बालिका टीमों ने हिस्सा लिया। बालक वर्ग के फाइनल में राजगढ़ ने विदिशा को हराकर खिताब अपने नाम किया, जबकि बालिका वर्ग में विदिशा की टीम ने रायसेन को पराजित कर विजेता का तमगा हासिल किया। पुरस्कार वितरण समारोह में एसोसिएशन के प्रदेश सचिव जे सी शर्मा, संरक्षक मोहन सिंह चौहान, मध्य प्रदेश पुलिस के अशोक पाण्डेय, ओपी शर्मा और रायसेन के सचिव कपिलदेव सिंह चौहान ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की सभी ने सराहना की। इस मोके पर खेल प्रशिक्षक विराट मिश्रा सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी मौजूद रहे।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की डॉग टीना का निधन

नर्मदापुरम। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की एकमात्र डॉग टीना का रविवार सुबह जबलपुर में उपचार के दौरान निधन हो गया। वह 17 अक्टूबर से बुखार और हीमोग्लोबिन की कमी से बीमार थी। इटारसी, नर्मदापुरम, भोपाल और जबलपुर में इलाज के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। टीना का जन्म 10 सितंबर 2017 को हुआ था और उसका रिटायरमेंट अगले साल प्रस्तावित था। उसने 2019 से 2025 के बीच वन्यजीव शिकार के 60 मामलों में 47 शिकारी पकड़े जाने में मदद की थी जून 2023 में चूरना क्षेत्र में बाघ शिकार के चर्चित मामले को सुलझाने में भी टीना की अहम भूमिका रही थी।आज सोमवार को जबलपुर में पोस्टमार्टम के बाद स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स प्रांगण में उसका सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किया गया।

गोवर्धन पूजन कर मनाया अन्नकूट महोत्सव

गंजबासौदा। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा दीपावली के शुभ अवसर पर स्टेशन रोड स्थित होटल पुखराज में भगवान श्री गोवर्धन की पूजा और अन्नकूट महोत्सव बड़े ही श्रद्धा और उत्साह से मनाया गया। जिसमें समाज के महिला पुरुष और बच्चों ने भगवान गोवर्धन की पूजन आराधना कर भक्ति भाव से भगवान का अभिषेक किया गया। इसके बाद अन्नकूट प्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें सभी समाजजनों ने प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में विशेष रूप से शमशाबाद से पधारे माहेश्वरी समाज के मूलचन्द माहेश्वरी सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। भगवान का अभिषेक मनोज मूंदड़ा, सोनू भट्टर द्वारा किया गया। इस अवसर पर मनोज डागा, रामनारायण पलोड़, कैलाश माहेश्वरी, सतीश माहेश्वरी, रामनिवास मूंदड़ा, प्रमोद साराफ, पीयूष साबू, हरि मूंदड़ा, सौरभ माहेश्वरी, पुरुषोत्तम लोलानी, अमन पलोड़, योगेश बांगड़, मोहित सोमानी, महिला मण्डल से रेखा माहेश्वरी, आशा पलोड़ उषा सराफ, पद्मा परवाल सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

दो बच्चों की मौत पर 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मनमोहन नगर स्थित शहरी सामुदायिक केंद्र परिसर में खुले टेंक में गिरने से एक ही परिवार के दो बच्चों की मृत्यु होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। लोक निर्माण मंत्री श्रीसिंह ने आज देर रात त्रिमूर्ति नगर पहुंचकर पीड़ित परिवारजनों से भेंट की तथा उन्हें ढांढस बंधाया। लोक निर्माण मंत्री ने इस हृदय विदारक और स्तब्ध कर देने वाली घटना में मुख्यमंत्री यादव की ओर से भी शोक संवेदनायें व्यक्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घटना की जानकारी मिलने पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए चार-चार लाख रुपये की सहायता स्वीकृत की है। प्रशासन को घटना की आवश्यक जांच के निर्देश भी दिये हैं।

चीतल पर कुत्तों ने किया हमला, सींग टूटे

सागर, दोपहर मेट्रो

जिले के जैसीनगर विकास खंड स्थित के तालाब में एक चीतल घंटे से फंसा रहा। जिसे देख कर कुत्तों ने चीतल पर हमला कर दिया। चीतल जान बचाकर खेतों की ओर भागा। गिरने के कारण उसके सींग टूटकर अलग हो गये व अन्य गंभीर चोटें भी आईं। सूचना मिलने पर डायल 112 पहुंची और ग्रामीणों की मदद से उसका रेस्क्यू कर वन विभाग को खबर दी। वन विभाग के उडनदस्ता ने पहुंचकर चीतल को अपने कब्जे में लेकर इलाज के लिए सागर भेजा।

संविधान चौक धर्मश्री तक होगा सड़क का चौड़ीकरण

मोतीनगर चौराहे पर अतिक्रमण को जेसीबी ने तोड़ा, बन रहा था बाधक

सागर, दोपहर मेट्रो

मोतीनगर चौराहा से संविधान चौक धर्मश्री सड़क मार्ग में मोतीनगर चौराहे के पास स्थित एक बड़ा अतिक्रमण दसकों से बॉटल नेक बनाकर यातायात सुगम बनाने में बाधक बन रहा था। मोतीनगर चौराहा से संविधान चौक धर्मश्री सड़कमार्ग चौड़ीकरण के दौरान निगमायुक्त एवं सीईओ सागर स्मार्ट सिटी लिमिटेड राजकुमार खत्री ने स्वयं खड़े होकर अतिक्रमण को हटवाने की कार्यवाई करायी। दोपहर लगभग 12 बजे से 3 बजे तक चली इस कार्यवाही के दौरान दो जेसीबी और पोकलिन मशीनों की मदद से उक्त अतिक्रमण को गिराया गया। इसके साथ ही निगमायुक्त ने धर्मश्री से शीतला माता तिराहा होते हुए मोतीनगर चौराहे तक रोड चौड़ीकरण में बाधक बन रहे समस्त अतिक्रमणों का नाप कराकर चिन्हाकन कराया। निगमायुक्त ने स्थानीय रहवासियों से स्वयं अपना अतिक्रमण हटाने की अपील की। निशान लगने के बाद बहुत से स्थानीय रहवासियों द्वारा स्वयं अपना अतिक्रमण हटाने का कार्य प्रारम्भ किया गया और सड़क चौड़ीकरण व शहर विकास में सहयोग दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है की मोतीनगर चौराहे से धर्मश्री की ओर जाने वाले मार्ग पर इस रोड के चौराहे से कनेक्टिंग पॉइंट पर लम्बे समय से उक्त अतिक्रमण के कारण यातायात समस्या और ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित होती रहती थी। मोतीनगर चौराहा शहर का एक बड़ा चौराहा होने के बाबजूद इस रोड की ओर चौराहे पर बने इस बड़े अतिक्रमण के कारण एक बॉटल नेक बनता था।

चौड़ी रोड का किया जा सकेगा निर्माण

मोतीनगर चौराहे के इस अतिक्रमण के हटने से व्यवस्थित लेफ्टटर्न सहित पर्याप्त चौड़ी रोड का निर्माण किया जा सकेगा। शहर में आवागमन को सुगम सरल बनाने के लिए विभिन्न प्रयासों के तहत यह भी एक सकारात्मक प्रयास है। चौराहे पर वाहनों का आवगमन चौड़ी सड़कों का फायदा स्थानीय रहवासियों के साथ शहर के विकास में महत्वपूर्ण है। यह मार्ग राजधानी भोपाल से आने वालों के शहर में प्रवेश का प्रमुख मार्ग है. इसकी पर्याप्त चौड़ाई और व्यवस्थित निर्माण शहर के भीतरी स्वरूप को और बेहतर प्रदर्शित करेगा।

बुंदेलखंड में भाजपा की नई दिशा

महिला नेतृत्व, संगठनात्मक संतुलन और बदलता राजनीतिक परिदृश्य

बुंदेलखंड की डायरी
रवीन्द्र व्यास

मध्य प्रदेश की राजनीति में बुंदेलखंड वह भू भाग है जहां धर्म, संगठन और सामाजिक समीकरण एक साथ राजनीतिक निर्णयों को आकार देते हैं। भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी में इस क्षेत्र की तीन प्रमुख महिला नेताओं लता वानखेड़े, नंदिता पाठक और अर्चना सिंह को जो भूमिकाएं दी गई है, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि संगठन अब बुंदेलखंड को केवल वोट बैंक नहीं, बल्कि रणनीतिक केंद्र के रूप में देख रहा है। गुटों में विभक्त बीजेपी की यह रणनीति कितनी सफल होगी यह आने वाले समय में ही स्पष्ट होगा। इन नियुक्तियों के माध्यम से बीजेपी ने जहां एक ओर महिला सशक्तिकरण का नया संदेश दिया है, वहीं जातीय और सामाजिक संतुलन को साधने की पुरानी कला को भी नव स्वरूप में प्रस्तुत किया है।

लता वानखेड़े: दलित और महिला प्रतिनिधित्व का संगम

सागर संसदीय क्षेत्र और बुंदेलखंड क्षेत्र में सक्रिय लता वानखेड़े का प्रदेश महामंत्री के रूप में मनोनयन केवल प्रतिनिधित्व नहीं, बल्कि भाजपा के उस सामाजिक विस्तार का संकेत है जो दलित और महिला वर्ग के भीतर आत्मीयता बनाने का प्रयास कर रहा है।प्रदेश संगठन में लता वानखेड़े की नियुक्ति से संदेश गया है कि भाजपा अब मैदान में कार्य करने वाली महिला नेताओं को केवल प्रतीक नहीं, बल्कि संगठनात्मक शक्ति के रूप में देख रही है। हालांकि सागर की राजनैतिक गुटबाजी से लता जी फिलहाल दूर बताई जाती हैं पर उन पर भी बीजेपी के लोग पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह गुट का मानते हैं। देखना होगा सागर जो बीजेपी की गुटबाजी का बड़ा केंद्र माना जा रहा है उसमे किस तरह से समन्वय स्थापित कर पाती हैं।

नंदिता पाठक: विचार और संगठन की कड़ी

नंदिता पाठक जो नाना जी देशमुख की दत्तक पुत्री हैं, को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाना भाजपा की सांस्कृतिक-संगठनात्मक धारा को फिर से जोड़ने का प्रयास माना जा रहा है।खजुराहो और चित्रकूट में उनके लंबे सामाजिक कार्य ने उन्हें संघ परंपरा का प्रतिबिंब बना दिया है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि उनकी नियुक्ति से वी.डी. शर्मा गुट को संगठन में मजबूती मिली है और यह पार्टी के भीतर विचारधारा आधारित नेतृत्व का पुनर्प्रयास भी है। वैसे भी नंदिता पाठक की पहचान राजनीतिक नेता से कहीं अधिक सामाजिक कार्यकर्ता बनाम नेतृत्व कर्ता की अधिक है। लोग यह भी मानते हैं कि ऐसे लोग अगर राजनीति में सक्रिय होंगे तो इससे समाज की आवाज को ज्यादा बल मिलेगा।

अर्चना सिंह: स्थानीय समीकरणों की सधी बाजी

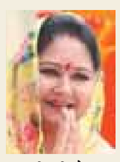

अर्चना सिंह जो छतरपुर नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष रही हैं, को प्रदेश मंत्री बनाना छतरपुर के राजनीतिक समीकरणों में नई जान डालने जैसा है। वे केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार खटीक के निकट मानी जाती हैं। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अर्चना सिंह और छतरपुर की वर्तमान विधायक ललिता यादव के मध्य सियासी खींचतान चलती रहती है। उन पर विधानसभा चुनावों से लेकर अन्य बीजेपी के कार्यक्रमों को लेकर आरोप प्रत्यारोप लगते रहे हैं। इसी तरह के आरोप 2018 के चुनाव में उन्होंने बीजेपी की ललिता यादव पर भी लगाए थे। अर्चना सिंह को प्रदेश संगठन में अहम् जिम्मेदारी मिलने से जहां केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार के समर्थक प्रसन्न हैं वही उनके विरोधियों को उनकी यह नियुक्ति रास नहीं आ रही है, पर इतना तय माना जा रहा है कि बीजेपी अब एक नई राजनैतिक कसावट के साथ आगे बढ़ रही है।

मानवेन्द्र: खटीक विवाद और संगठनात्मक कसौटी

छतरपुर भाजपा में मानवेंद्र सिंह (भंवर राजा) और वीरेंद्र कुमार खटीक के बीच जारी विवाद ने दिखाया है कि बुंदेलखंड की राजनीति केवल विचार या विकास नहीं, बल्कि स्थानीय नेतृत्व बनाम बाहरी प्रभाव के संघर्ष से भी गुजर रही है।सितंबर 2024 में आरंभ हुआ यह विवाद आज तक स्थानीय संगठन में हल्का तनाव बनाए हुए है। उस समय मानवेन्द्र सिंह ने खटीक पर अपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को सांसद प्रतिनिधि बनाए जाने का आरोप लगाया, जिस पर ललिता यादव जैसी वरिष्ठ महिला विधायक ने भी समर्थन जताया था। भले ही प्रदेश नेतृत्व ने मामले को शांत कर दिया था। पर वर्तमान में हालात जस के तस बने हुए हैं, पिछले दिनों पूर्व मंत्री मानवेन्द्र सिंह ने पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा में इसका खुलासा भी किया था। उन्होंने केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार का नाम लिए बगैर स्पष्ट किया था कि महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों पर अवरोध खड़े किये जाते हैं। इसी तरह के और भी स्थितियों का उन्होंने खुलासा किया था।

उमा भारती की वापसी: झांसी से फिर बिगुल

भाजपा की कद्दावर नेता उमा भारती ने यह घोषणा करके कि वे 2029 के लोकसभा चुनाव में झांसी से लड़ने को तैयार हैं, बुंदेलखंड की राजनीति में एक बड़ा अध्याय फिर से खोल दिया है। उनकी इस घोषणा ने न केवल झांसी बल्कि पूरे क्षेत्र में राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। उनका बयान मेरी झांसी है, मैं झांसी से ही लडूंगी भाजपा कैडर के लिए भावनात्मक पुनरुत्थान जैसा माना जा रहा है।यह कदम बुंदेलखंड में भाजपा की पुरानी ताकत को फिर सक्रिय करने की रणनीति के तौर पर भी देखा जा रहा है। दरअसल बुंदेलखंड में भाजपा की तीन ध्रुवीय रणनीति के तहत अपना ताना बाना बनाने में जुटी है। तीन महिला नेताओं को केंद्रीय भूमिका देकर पार्टी ने महिला मतदाताओं को प्रत्यक्ष राजनीतिक प्रतिनिधित्व से जोड़ा है। वहीं दूसरी तरफ दलित, ओबीसी और परंपरागत ब्राह्मण नेतृत्व के संयोजन से पार्टी ने सामाजिक संतुलन साधने की कोशिश की है। ओरछा, खजुराहो और चित्रकूट जैसे स्थलों पर विकास योजनाएं केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकता की राजनीतिक यात्रा का हिस्सा बना दिया है। बुंदेलखंड अब भाजपा के लिए सिर्फ एक क्षेत्र नहीं बल्कि एक राजनीतिक प्रयोगशाला बन चुका है।महिला नेतृत्व, संगठनात्मक समरसता, धार्मिक पर्यटन और स्थानीय संरचनाओं के सामंजस्य से पार्टी ने जिस प्रकार अपनी रणनीति को पुनर्परिभाषित किया है, वह आने वाले वर्षों में पूरे मध्य प्रदेश की राजनीति की दिशा तय कर सकता है।

अवैध गौवंश तस्करी में लिप्त एक ट्रक से 15 गौवंश बरामद, आरोपी फरार

नरसिंहपुर, दोपहर मेट्रो

नरसिंहपुर जिले की तेंदूखेड़ा थाना पुलिस ने अवैध गौवंश तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की। जिसमें पुलिस ने एक ट्रक से 15 गौवंश जब्त किए। आरोपी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है।

थाना प्रभारी सौरभ पटेल ने बताया कि पुलिस को ग्राम काचरकोना के श्मशान घाट के पीछे बरांझ नदी के पास कच्चे रास्ते से अवैध गौवंश परिवहन की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर छापा मारा। पुलिस ने अशोक लीलैंड कंपनी के वाहन क्रमांक एमएच 40 सीटी 3704 को जब्त किया, जिसमें 12 गाय और 3 बछड़े (कुल 15 गौवंश) भरे हुए थे। पुलिस ने अज्ञात

आरोपियों के खिलाफ गौवंश वध निषेध अधिनियम की धारा 4, 6, 9, मध्य प्रदेश कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 6(क), 6(ख)(1) और पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है।

मामला गंभीर : तेंदुए की मौत के बाद 18 नाखून व 4 कैनाइन दांत निकाले

सिहोरा स्थित खनन कारोबारी के परिसर में मृत मिला तेंदुआ

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

जिले के सिहोरा क्षेत्र में खनन कारोबारी महेंद्र गोयनका की निसर्ग इस्पात फैक्ट्री परिसर में मृत पाए गए तेंदुए का पोस्टमॉर्टम किया गया। इसमें पता चला है कि तेंदुए की मौत बिजली का करंट लगने से हुई थी। नानाजी देशमुख वेटरनरी कॉलेज, स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ की फोरेंसिक लैब के अनुसार, तेंदुए की मौत के बाद उसके पंजों के 18 नाखून और 4 कैनाइन दांत निकाल लिए गए। डीएफओ ऋषि मिश्र ने बताया कि पोस्टमॉर्टम के बाद तेंदुए का शवदाह कर दिया गया। इस मामले में वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत

केस दर्ज कर जांच की जा रही है। कान्हा टाइगर रिजर्व मंडला से आए डॉग स्क्वॉड की मदद से मौके और आसपास के क्षेत्र में सर्चिंग की जा रही है। जांच में क्षेत्रीय टाइगर स्ट्राइक फोर्स की भी मदद ली जा रही है।

जो लोग प्रतिमा स्थान का विरोध कर रहे थे, आज वे ही सिटी स्टेडियम के सामने का स्थान सही बता रहे: भूपेंद्र

सागर, दोपहर मेट्रो

जैसीनगर का नाम यथावत रखने के लिए पूर्व गृहमंत्री एवं वरिष्ठ विधायक भूपेन्द्र सिंह के आग्रह पर क्षत्रिय महासभा जिला सागर ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है। दीपावली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व गृहमंत्री एवं वरिष्ठ विधायक भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि जो लोग कल तक महाराणा प्रताप की बात नहीं करते थे वे आज महाराणा प्रताप की प्रतिमा और भवन की बात करने लगे हैं.जो कल तक सागर में महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित करने के स्थान का विरोध कर रहे थे, आज वे ही कह रहे हैं कि सिटी स्टेडियम के सामने का स्थान सही है. उन्होंने कहा कि अभी हमारे समाज की नई पीढ़ी को क्षत्रिय समाज का इतिहास नहीं पता।

इस पर जो जानकार, विद्वान और बुजुर्ग लोग हैं उनसे सहयोग लेकर एक पुस्तक लिखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जो समाज या देश अपने इतिहास को नहीं जानता, वह हमेशा

गुलामी के मार्ग पर जाता है या रास्ते से भटक जाता है। हमारा गौरवशाली इतिहास हमें सम्मान और स्वाभिमान के मार्ग पर ले जाता है। उन्होंने कहा कि हमें क्षत्रिय समाज के युवक-युवतियों के परिचय को लेकर एक वैवाहिक पत्रिका भी निकालना है। इसके लिए समाज के लोग बच्चे-बच्चियों का बायोडाटा तैयार करायें. कोशिश हो कि क्षत्रिय महासभा की अगली बैठक में हम इस पत्रिका का विमोचन कर सकें। सिंह ने क्षत्रिय महासभा द्वारा गठित की गई विभिन्न समितियों के संयोजकों से चर्चा कर बताया कि उन्हें किस तरह की जिम्मेदारी निभाना है जिससे समाज के लोग लाभान्वित हो सकें। दीपावली मिलन समारोह में क्षत्रिय महासभा जिला सागर के अध्यक्ष लखन सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को पूर्व सांसद राजबहादुर सिंह ने भी संबोधित किया। पिछले दिनों गठित विभिन्न समितियों के संयोजक बलवन्त सिंह ठाकुर, इन्द्राज सिंह ठाकुर, अजब सिंह ठाकुर, जितेन्द्र सिंह ठाकुर, सौदान सिंह ने भी अपने विचार रखे।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को लेकर की चर्चा

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती का कार्यक्रम तेजगढ़ में आयोजित करने तथा विभिन्न प्रकार की तैयारी को लेकर जय आदिवासी युवा शक्ति जयस के तत्वाधान में बैठक का आयोजन राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह मंगल भवन तेंदूखेड़ा में किया गया जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ऊर्जावान कार्यकर्ताओं के बीच विभिन्न कामों को लेकर जिम्मेदारी दी चूंकि तेजगढ़ क्षेत्र में प्रथम बार विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसके संबंध में गांव क्षेत्र में प्रचार प्रसार हेतु सभी लोगों को कार्य करना होगा तभी कार्यक्रम को सफल बनाया जा सकता है जय आदिवासी युवा शक्ति जयस के प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत सिंह पोरते ने बताया कि 15 नवंबर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती का कार्यक्रम इस वर्ष तेजगढ़ में आयोजित किया जाएगा।

मंडला में बाघ का शिकार खाल के साथ 3 गिरफ्तार

मंडला, दोपहर मेट्रो

मंडला के बिछिया क्षेत्र में बाघ के शिकार का मामला सामने आया है। वन विभाग और कान्हा टाइगर रिजर्व की संयुक्त टीम ने बाघ की खाल के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर वन विभाग ने कार्रवाई की है। बिछिया वन विभाग की टीम ने 25 अक्टूबर की रात भीमपुरी गांव निवासी मिस्तर और गोविंद को बाघ की खाल बेचते हुए पकड़ा। प्राथमिक पूछताछ के आधार पर 26 अक्टूबर को अतरिया निवासी अग्हन नामक एक अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया।

मेट्रो एंकर | जैसीनगर में कांग्रेस का कार्यकर्ता सम्मेलन

सुरखी विधानसभा में संगठन और मजबूत हो सभी इसकी दिशा में काम करें: भूपेन्द्र मोहासा

सागर, दोपहर मेट्रो

सुरखी विधानसभा क्षेत्र के जैसीनगर में कांग्रेस ने जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मोहासा के प्रथम जैसीनगर आगमन पर कार्यकर्त्ता सम्मेलन एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया। बस स्टैंड पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता में शामिल हुए।

कार्यक्रम में जिला कांग्रेस ग्रामीण प्रभारी पूर्व विधायक धनश्याम सिंह रहे। घनश्याम सिंह ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के तहत पारखी नजर हाई कमान की है। अनुभवी युवा भूपेंद्र सिंह मुहासा को जिले की कमान दी गई है। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को संगठन की मजबूती पर जोर देना है जिससे नीव मजबूत हो सके। भूपेन्द्र सिंह मुहासा ने कहा कि दीपावली का वास्तविक अर्थ

होता है असत्य पर सत्य की विजय। यह कार्यकर्त्ता सम्मेलन एवं दीवाली मिलन कार्यक्रम असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। हम सुरखी हारे नहीं,जनता की नजरों में जीते है,लेकिन कागजों में हारे हैं. जनता की दिलों पर कांग्रेस पार्टी ही काबिज है. बूथ लेबल के कार्यकर्ता का सम्मान हो यह राहुल जी की भी मंशा हैं। हम सभी को इस बात का ध्यान रखना है। आगामी दिनों में पंचायत समितियां, ब्लॉक समितियां का गठन होना है। जिसमें हम सभी की बढ़कर हिस्सेदारी हो। सुरखी विधानसभा क्षेत्र में अत्याचार अब ज्यादा दिन तक नहीं चलने वाला है। कार्यक्रम का संचालन विक्रम सिंह सागोनी एवं आभार प्रदर्शन युवा कांग्रेस के विधानसभा प्रभारी प्रणव राजपूत ने किया. कार्यक्रम में सूर्या शुक्ला, प्रभु मिश्रा,बंटी चौबे,निरंजन मम्मा, अमोल सिंह, दुष्यंत बुंदेला,अशोक भारद्वाज, विक्रम सिंह, लखन सिंह सहित पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे।

पश्चिम मध्य रेल
कार्यालय प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक

पत्र सं. बिक्री/1402/मु भं/डब्ल्युसीआर ई-नीलामी/ प्रोग्राम/2025-26 दिनांक 22/10/2025

विषय: अक्टूबर-2025 माह के लिए डब्ल्यूसीआर की ई-नीलामी तिथि को जोड़ना।
जबलपुर मंडल में "जैसा है जहां है" के आधार पर अक्टूबर-2025 माह के दौरान स्क्रैप सामग्री की बिक्री की ई-नीलामी की तिथि का जोड़ निम्नानुसार है:-

नीलामी का स्थान	अनुबंध व्यक्ति	अक्टूबर के लिए नीलामी की अतिरिक्त तिथि-2025
जबलपुर मंडल	व/म सा प्र/जबलपुर (0761-2623491)	31.10.2025

नीलामी आइटम:-अनुपयोगी रेल और अन्य पी-वे सामग्री, कार्यालय से जारी सभी अनुपयोगी कास्ट आयरन अनुपयोगी रोलिंग स्टॉक, नॉन फेरस एवं नॉन मेटॉलिक स्क्रैप, टर्निंग और बोरिंग, प्रयुक्त तेल, पेंट ड्रम, अनुपयोगी मशीनरी प्लांट, अनुपयोगी वाहन, अनुपयोगी कार्यालय उपकरण, एमएस/जी आई पाइप, फाउड्री स्लैग और अन्य विविध स्क्रैप आदि।

नोट-1. ई-नीलामी की बिक्री की शर्तो, नीलामी सूची आदि के लिए और ई-नीलामी में भाग लेने के लिए कृपया www.ireps.gov.in पर जाए। 2. बिक्री की सामान्य और विशेष शर्ते वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। 3. नीलामी सूची नीलामी से कम से कम सात दिन पहले वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगी। 4. नीलामी के दिन अवकाश होने की स्थिति में, इसे अगले कार्यदिवस पर आयोजित किया जा सकता है। 5. नीलामी बंद होने से पहले घोषणा करके नीलामी जारी रखी जा सकती है या अगले दिन आयोजित की जा सकती है। (हस्ता.)

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/बिक्री
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक/जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

विराट कोहली के नाम एबी डिविलियर्स का संदेश, कहा-

उनके जैसे खिलाड़ी नहीं मिलते, वे सम्मान के हकदार

नई दिली, एजेंसी

पूर्व दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा है कि अब वक्त है उन्हें सेलिब्रेट करने का और उनके करियर के आखिरी पड़ाव पर उन्हें जीवन में संतुलन पाने का मौका देने का। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती दो वनडे मैचों में खराब प्रदर्शन किया था, लेकिन तीसरे मुकाबले में शानदार फॉर्म में लौटते हुए 81 गेंदों में 74 रन की नाबाद पारी खेली और भारत को नौ विकेट से जीत दिलाई।

शुरुआती दोनों मुकाबलों में शून्य पर आउट होने के बाद आलोचकों ने सवाल उठाया था कि क्या कोहली 2027 विश्व कप तक टीम में बने रह पाएंगे। लेकिन डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि कोहली ने क्रिकेट का चेहरा बदल दिया है और उन्हें हर हाल में समर्थन मिलना चाहिए। डिविलियर्स ने कहा, मैं सभी को याद दिलाना चाहता हूं कि विराट जैसे खिलाड़ियों को सेलिब्रेट करना चाहिए। उन्हें करियर के आखिरी हिस्से में अपने जीवन में संतुलन पाने का समय दो। उन्होंने खेल को हमेशा के लिए बदल दिया है। हमें बस उनका शुक्रिया अदा करना चाहिए। अगर वे अगले पांच साल खेलते हैं तो शानदार, अगर नहीं, तो भी हम उनके साथ हैं।

2027 विश्व कप पर भी बोले डिविलियर्स

डिविलियर्स का मानना है कि 2027 का विश्व कप विराट कोहली के करियर का आखिरी बड़ा टूर्नामेंट हो सकता है। उन्होंने कहा कि कोहली अभी पांच साल तक खेल सकते हैं, लेकिन विश्व कप का दबाव और लंबी तैयारी के कारण यह उनका आखिरी बड़ा अभियान हो सकता है। उन्होंने आगे कहा, मेरे मुताबिक 2027 विश्व कप उनके करियर का आखिरी बड़ा टूर्नामेंट होगा। आईपीएल अलग बात है। वहां वह तीन, चार या शायद पांच साल तक खेल सकते हैं। लेकिन विश्व कप एक चार साल का साइकिल है, जो शरीर और मन दोनों पर भारी पड़ता है। और विराट कई बार बता चुके हैं कि उनके लिए परिवार और मानसिक शांति कितनी अहम है।

युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं कोहली

डिविलियर्स ने आगे कहा कि विराट की मौजूदगी टीम के युवाओं के लिए बहुत बड़ा मनोबल है। उन्होंने कहा, विराट टीम में मानसिक रूप से बहुत बड़ा योगदान देते हैं। उनकी मौजूदगी से जो आत्मविश्वास युवा खिलाड़ियों को मिलता है, वह अमूल्य है। भले ही वह हर मैच में रन न बनाएं, लेकिन उनका प्रभाव और नेतृत्व टीम के लिए अनमोल है। विराट कोहली अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में एक्शन में नजर आ सकते हैं।

आखिरी बार सिडनी से विदा ले रहा, भारत वापसी से पहले रोहित का भावुक पोस्ट

सिडनी। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया और प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। सिडनी में खेले गए आखिरी मुकाबले में हिटमैन ने यादगार शतकीय पारी खेलकर टीम को न सिर्फ जीत दिलाई बल्कि क्लीन स्वीप से भी बचाया। रविवार को स्वदेश वापसी से पहले दाएं हाथ के बल्लेबाज ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, आखिरी बार सिडनी से विदा ले रहा। सिडनी में खेले गए आखिरी वनडे मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली ने दमदार प्रदर्शन के साथ टीम को जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.4 ओवर में 236 रन बनाए। जवाब में रोहित शर्मा ने शतक लगाया और कोहली ने अर्धशतकीय पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 168 रनों की साझेदारी हुई जिसके दम पर भारत ने 38.3 ओवर में एक विकेट पर 237 रन बनाकर मैच जीता। ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि, तीन मैचों की यह सीरीज 2-1 से अपने नाम की। मैच के बाद रोहित और कोहली ने एडम गिलक्रिस्ट और रवि शास्त्री के साथ विशेष बातचीत की। रोहित ने कहा, ऑस्ट्रेलिया आना और यहां खेलना हमेशा अच्छा लगता है। मेरी 2008 की यादें अभी भी ताजा हैं।

महिला विश्वकप का लीग स्टेज खत्म

इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को हराया भारत-बांग्लादेश मैच रद्द 29-30 को सेमीफाइनल

नवी मुंबई । महिला विश्व कप 2025 का रोमांच चरम पर पहुंच चुका है। रविवार को लीग स्टेज के आखिरी दो मुकाबले खेले गए। पहले मैच में इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को आठ विकेट से हरा दिया जबकि भारत और बांग्लादेश के बीच खेला गया मुकाबला बिना किसी नतीजे के रद्द कर दिया गया। अब 29 और 30 अक्तूबर को इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। पहला सेमीफाइनल बुधवार को इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी में खेला जाएगा जबकि दूसरे सेमीफाइनल में भारत का ऑस्ट्रेलिया से सामना होगा। इन दोनों मुकाबलों में जीतने वाली टीमें नवी मुंबई में दो नवंबर को खिताबी टक्कर के लिए भिड़ेंगी।

भारत-बांग्लादेश मैच रद्द हुआ- महिला वनडे विश्व कप 2025 का आखिरी लीग मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया। रविवार को भारतीय टीम का बांग्लादेश से सामना हुआ, लेकिन नवी मुंबई में तेज बारिश के कारण यह मैच बिना किसी नतीजे के रद्द कर दिया गया। अब भारत सेमीफाइनल में 30 अक्तूबर को ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगा। इस मैच में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत की हार पर रहाणे बोले-

वहां मेरी जरूरत थी, चयन उम्र के बजाय खिलाड़ी के इरादे, जुनून और मेहनत पर हो

नई दिल्ली , एजेंसी

भारत के अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए नजरअंदाज किए जाने पर निराशा जताई है। रहाणे का कहना है कि चयन उम्र के बजाय खिलाड़ी के इरादे, जुनून और मेहनत पर होना चाहिए। रहाणे नरणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ मुंबई की ओर से 303 गेंदों में 159 रनों की शानदार पारी खेली। हालांकि, वे अब भी इस बात से आहत हैं कि उन्हें 2024-25 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टीम में जगह नहीं मिली, जिसमें भारत को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

रहाणे ने कहा, उम्र सिर्फ एक संख्या है। अगर खिलाड़ी फिट है, घरेलू क्रिकेट खेल रहा है और अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहा है, तो चयनकर्ताओं को उसे मौका देना चाहिए। यह उम्र की नहीं, बल्कि इरादे और मेहनत की बात है। ऑस्ट्रेलिया के माइकल हसी ने भी देर से टेस्ट डेब्यू किया था, लेकिन उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। अनुभव रेड-बॉल क्रिकेट में बहुत मायने रखता है। मुझे व्यक्तिगत रूप से लगा कि भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में मेरी जरूरत थी। रहाणे ने 2020-21 में भारत को ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक 2-1 की जीत दिलाई थी। उन्होंने कहा कि 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में वापसी की थी और उसके बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी टेस्ट खेला। रहाणे ने यह भी खुलासा किया कि चयनकर्ताओं ने उन्हें बाहर करने का कोई कारण नहीं बताया। उन्होंने कहा, मैंने भारतीय टीम के लिए बहुत क्रिकेट खेला है। ऐसे में मुझे लगा कि अनुभव के आधार पर मुझे और मौके मिलने चाहिए थे। लेकिन कोई संवाद नहीं हुआ।

रोहित-कोहली की तारीफ

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में रोहित शर्मा ने 121 और विराट कोहली ने 74 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम को नौ विकेट से जीत दिलाई। रहाणे ने इन दोनों का उदाहरण देते हुए कहा, यह साबित करता है कि उम्र सिर्फ एक आंकड़ा है। टीम को अनुभव की जरूरत होती है, खासकर टेस्ट क्रिकेट में। टीम में केवल नए खिलाड़ियों के साथ नहीं उतरा जा सकता। युवा खून जरूरी है, लेकिन अनुभव भी उतना ही अहम होता है। रेड-बॉल क्रिकेट में संतुलन से ही सफलता मिलती है।

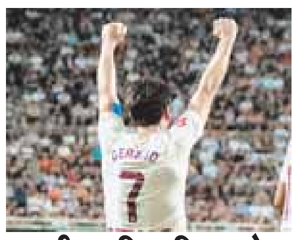

ला लीगा: विलारियल ने तीसरा स्थान पक्का किया

मैड्रिड। विलारियल ने स्पेन में वेलेंसिया के खिलाफ ईस्ट कोस्ट डर्बी 2-0 से जीत दर्ज की। इसी के साथ विलारियल ने ला लीगा में तीसरे स्थान पर स्थिति मजबूत करते हुए अपने करीबी पड़ोसी को संकट में डाल दिया है। जेरार्ड मोरेनो ने हाफटाइम के पहले 45वें मिनट में पेनाल्टी स्पॉट से विलारियल को बढ़त दिलाई। मुकाबले के 57वें मिनट में सांती कोमेसान्या ने आसान फिनिश के साथ विलारियल की बढ़त दोगुनी कर दी, जिससे टीम ने लगभग जीत सुनिश्चित कर ली। वहीं, प्रतिद्वंद्वी टीम के फॉरवर्ड अरनाउट डैंजुमा को चोट लगी, जिससे अगले सप्ताह रियल मैड्रिड के खिलाफ होने वाले मैच से पहले उन्हें झटका लगा। एक अन्य मैच में गेटाफे ने एथलेटिक क्लब बिलबाओ को सैन मैम्स स्टेडियम में 1-0 से शिकस्त दी। इस मुकाबले में बोर्जा मेयोरल ने नजदीकी गोल दागा। गेटाफे ने 75वें मिनट में गोल करते हुए मैच का खाता खोला। यह इस मुकाबले का एकमात्र गोल रहा।

पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद को यकीन

वर्ल्ड कप 2027 में भारत के लिए खास होंगे रोहित शर्मा-कोहली

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने विराट कोहली और रोहित शर्मा पर भरोसा जताया है। उन्हें यकीन है कि यह अनुभवी जोड़ी 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के लिए बहुत बड़ी संपत्ति साबित होगी। रोहित शर्मा ने सिडनी में नाबाद 121 रन की पारी खेली, जबकि विराट कोहली ने लगातार दो बार शून्य पर आउट होने के बाद नाबाद 74 रन बनाए। दोनों खिलाड़ियों के बीच 168 रन की अटूट साझेदारी हुई, जिसने भारत को तीसरे वनडे में 9 विकेट से जीत दिलाई। हालांकि, टीम इंडिया सीरीज नहीं बचा सकी।

प्रसाद ने कहा, मैं बेहद खुश हूं। मैं पिछले दो मुकाबलों में उनके इस प्रदर्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ, लेकिन मैं रोमांचित हूं कि आखिरकार तीसरे मुकाबले में ऐसा हुआ। यह बहुत महत्वपूर्ण है। जैसे-जैसे आप वर्ल्ड कप की ओर बढ़ रहे हैं, आपको उनकी सेवाओं की जरूरत है। विराट और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी टीम के लिए बहुत बड़ी संपत्ति होंगे।

रोहित अब पूरी तरह से हो गए हैं फिट

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि लोग उन्हें उनकी मौजूदा फॉर्म के आधार पर देखते हैं। रोहित अब पूरी तरह से फिट हो गए हैं। विराट हमेशा की तरह फिट हैं। इसलिए इन खिलाड़ियों को परखना बहुत मुश्किल है। उनके नाम 83 या 84 शतक हैं। अगर आप उन्हें परखना चाहें, तो यह मेरे लिए आश्चर्यजनक है। रोहित और कोहली इस साल की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। उन्होंने टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को भी अलविदा कह दिया था। स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी टी20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। एमएसके प्रसाद ने सही समय पर अगली पीढ़ी को कमान सौंपने के लिए तीनों की प्रशंसा करते हुए कहा, रोहित, विराट और जडेजा ने जो एक बेहतरीन कदम उठाया, वह यह है कि टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद उन्होंने अगली पीढ़ी को कमान सौंप दी। यह एक शानदार बात है। आखिरकार, ये युवा खिलाड़ी खुद को स्थापित करने लगे हैं। हमारी टीम बहुत अच्छी है। श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ियों को टी20 टीम में जगह पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। पूर्व मुख्य चयनकर्ता ने कहा, दरअसल, हमारे पास कई खिलाड़ी इंतजार में हैं। श्रेयस को टी20 टीम में जगह नहीं मिली, जो हमारी प्रतिभाओं के बारे में बहुत कुछ बताता है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

भोजपुरी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस नम्रता मल्ला अपने हर नए अवतार और डांस मूव्स के लिए अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनके फॉलोअर्स की संख्या लाखों में है और हर पोस्ट या वीडियो को उनके फैंस बेहद पसंद करते हैं। उनका फैशन सेंस, खास अंदाज और जबरदस्त डांसिंग स्किल्स उन्हें बाकी अभिनेत्रियों से अलग बनाती हैं।

बादशाह के कोकाइना गाने पर थिरकीं नम्रता मल्ला, फैंस ने दिया भोजपुरी की नोरा फतेही का टैग

अक्सर नम्रता मल्ला अपने फैंस के लिए चौंकाने वाले वीडियो पोस्ट करती रहती हैं, जिनमें उनका डांस, स्टाइल और एनर्जी साफ देखने को मिलती है। रविवार को भी उन्होंने एक डांस वीडियो पोस्ट किया, जो अब इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो में नम्रता मल्ला बादशाह के गाने कोकाइना पर डांस करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उन्होंने गाने के हुक स्टेप को बड़े ही एनर्जेटिक और स्टाइलिश अंदाज में किया है। उनका हर मूव बेहद आकर्षक और परफेक्शन के साथ दिखाई देता है। डांस के दौरान उनके एक्सप्रेशन और जबरदस्त परफॉर्मेंस ने फैंस को कायल कर दिया है। वीडियो की लुक्स और कैमरा एंगल्स भी शानदार हैं। सोशल मीडिया पर फैंस ने उनके इस वीडियो को काफी पसंद किया और कमेंट्स में उनकी तारीफें की जा रही हैं। कई लोगों ने कहा कि नम्रता ने अपने डांस में बादशाह के गाने की बीट्स को पूरी तरह फॉलो किया और हर स्टेप को बेहद सहज और आकर्षक अंदाज में पेश किया। वहीं कुछ लोगों ने उन्हें भोजपुरी की नोरा फतेही का टैग दिया। कोकाइना गाने की बात करें तो यह बादशाह का नया हिट नंबर है, जिसके संगीत और बीट्स की वजह से युवा दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। नम्रता मल्ला भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की उभरती हुई एक्ट्रेस हैं, जिनकी लोकप्रियता और करियर ग्राफ तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

मशहूर सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ बहुत जल्द क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति 17' में दिखाई देंगे। यहां वह अमिताभ बच्चन के साथ उनकी फिल्मों के बारे में भी चर्चा करेंगे। इसका एक प्रोमो सोशल मीडिया पर जारी किया गया है। इसमें दिलजीत दोसांझ ने बताया कि उन्हें अमिताभ बच्चन की कौन सी फिल्म कतई पसंद नहीं आई।

दिलजीत दोसांझ को अमिताभ बच्चन की यह फिल्म नहीं पसंद, खुद बताई वजह

केबीसी-17 शो के नए प्रोमो में दिलजीत दोसांझ हॉट सीट पर बैठकर अमिताभ बच्चन से बात करते नजर आए। उन्होंने होस्ट अमिताभ से कहा, जब आपकी फिल्में आती थीं तो मैं खुश हो जाता था। पर सर, आपकी एक फिल्म मुझे पसंद नहीं आई थी। इस पर अमिताभ बच्चन ने तुरंत पूछा, कौनसी? दिलजीत ने जवाब दिया, सौदागर सर ! अनाउंसमेंट हुई कि अमिताभ बच्चन की फिल्म आ रही है और फिर उसमें आप गुड़ बेचते दिखाई दिए। यह सुनने के बाद अमिताभ बच्चन और दर्शक ठहाके लगाने लगे। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर छाया है। इसे देखने के बाद लोग खूब हंस रहे हैं। कमेंट बॉक्स में वह अपनी प्रतिक्रियाएं शेयर कर रहे हैं। 'केबीसी-17' का यह एपिसोड 31 अक्टूबर को रिलीज किया जाएगा। इससे पहले शो का एक प्रोमो जारी किया गया था। इसमें अमिताभ बच्चन अभिनेता-सिंगर दिलजीत दोसांझ को इंट्रोड्यूस करते दिखाई दिए। प्रोमो में दिलजीत अपनी फिल्म चमकीला का गाना 'मैं हूं पंजाब' गाते दिखाई दिए। दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' को अंतर्राष्ट्रीय एमी पुरस्कार 2025 के लिए नामांकित किया गया था। इस फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया है। ऐसा बताया जा रहा है कि शो में दिलजीत जो राशि जीतकर जाएंगे, वह पंजाब पीड़ितों की मदद के लिए इस्तेमाल की जाएगी। बता दें कि दिलजीत दोसांझ पंजाब में आई बाढ़ के दौरान लोगों की मदद के लिए आगे आए। उन्होंने गैर-सरकारी संगठनों और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर गुरदासपुर और अमृतसर के 10 गांवों को गोद लिया है।

मेट्रो बाजार

ग्लोबल ट्रेड में आ रहा बड़ा शिफ्ट, भारत की ऑटो इंडस्ट्री दक्षिण अफ्रीका में निवेश बढ़ाएगी

नई दिल्ली। भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री दक्षिण अफ्रीका में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए तैयार है, क्योंकि कई कंपनियां अपने मौजूदा असेंबली प्लांट को पूर्ण विकसित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में अपग्रेड करने और नए प्लांट स्थापित करने की योजना बना रही हैं। न्यूज साउथ अफ्रीका की रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख ग्लोबल व्हीकल मैन्युफैक्चरर्स द्वारा यह कदम ऐसे समय पर उठाए जा रहे हैं, जब निवेश को आकर्षित करने और अपने स्थानीय ऑटोमोबाइल क्षेत्र को मजबूत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका प्रयास तेज कर रहा है। दक्षिण अफ्रीका के व्यापार, उद्योग और प्रतिस्पर्धा मंत्री पार्क्स ताऊ के अनुसार, भारतीय और चीनी वाहन निर्माताओं ने देश में अपने निवेश को बढ़ाने में रुचि व्यक्त की है।

स्थानीय ऑटो उद्योग को पुनर्जीवित करने की सरकार की रणनीति के तहत ताऊ कई व्हीकल मैन्युफैक्चरर्स के साथ बातचीत कर रहे हैं, जो निर्यात मांग में गिरावट, सस्ते आयात से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बुनियादी ढांचे की समस्याओं जैसी कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने के बाद, दक्षिण अफ्रीकी ऑटो इंडस्ट्री निर्यात में गिरावट के कारण दबाव में है। इसके अतिरिक्त, ईंधन द्वारा संचालित होने वाले इंजन वाले वाहनों पर यूरोपीय संघ के प्रस्तावित प्रतिबंध ने देश के निर्यात बाजारों को और भी खतरे में डाल दिया है।

वैश्विक कंपनियां भारत में लगातार बढ़ा रहीं निवेश, पाकिस्तान से समेटा कारोबार

नई दिल्ली। भारत में लगातार ग्लोबल कॉरपोरेट्स नया निवेश कर अपने ऑपरेशंस का विस्तार कर रहे हैं। वहीं, पाकिस्तान से ग्लोबल कंपनियां अपना कारोबार समेट रही हैं। एक जापानी अखबार संकेई शिंबुन की वेबसाइट में बताया गया, यह रुझान न सिर्फ मैक्रोइकोनॉमिक ट्रेड को दर्शाता है, बल्कि बिजनेस कल्चर, रेगुलेटरी फ्रेमवर्क और संस्थागत क्षमता को भी दिखाता है, जो कि निवेशकों के विश्वास और लंबी-अवधि के रणनीतिक निर्णय को आकार देते हैं।

प्रोफेसर पेमा ग्यालपो द्वारा लिखे गए आर्टिकल में कहा गया है कि विश्व का पांचवां सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बाद भी पाकिस्तान वैश्विक कंपनियों का अपनी ओर ध्यान खींचने में नाकामयाब रहा है। प्रॉक्टर एंड गैंबल (पीएंडजी) द्वारा पाकिस्तान में अपने मैन्युफैक्चरिंग और कमर्शियल ऑपरेशंस को बंद करने की हाल की घोषणा व्यापक चुनौतियों का संकेत है। पीएंडजी के बाहर निकलने के बाद शेल, फाइजर, टोटलएनर्जीज, टेलीनॉर और माइक्रोसॉफ्ट ने भी इसी तरह के कदम उठाए हैं। फाइजर ने 2024 में अपना कराची स्थित मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लकी कोर इंडस्ट्रीज को बेच दिया, जिससे स्थानीय उत्पादन बंद हो गया। शेल ने वर्षों के रणनीतिक पुनर्विचार के बाद 2023 में सऊदी अरब की वाफी एनर्जी को अपनी हिस्सेदारी बेच दी और पाकिस्तान में कारोबार समेट लिया। टोटलएनर्जीज ने टोटल पार्को पाकिस्तान लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी सिंगापुर स्थित गुनवोर ग्रुप को बेच दी। विलय के असफल प्रयास के बाद, टेलीनॉर ने अपने पाकिस्तानी परिचालन को पाकिस्तान टेलीकम्युनिकेशन कंपनी लिमिटेड को बेचने पर सहमति जताई, हालांकि नियामक मंजूरियों के कारण यह लेन-देन विलंबित हो गया है।

न्यूज विंडो

महाकाल के दर्शन को पहुंचे पूर्व क्रिकेटर श्रीकांत

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार सुबह आयोजित भस्म आरती में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी कृष्णमाचारी श्रीकांत शामिल हुए। उन्होंने भगवान महाकाल के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की। श्रीकांत भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और 1983 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी भी की थी। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वे बतौर कमेंटेटर और चयन समिति के अध्यक्ष की भूमिका निभा चुके हैं।

दो दिन में ढाई लाख श्रद्धालु पहुंचे: ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में दीपावली के बाद दर्शनार्थियों की संख्या बढ़ गई है। मंदिर प्रशासन के अनुसार दो तीन दिनों में ही डेढ़ लाख से अधिक भक्तों ने भगवान महाकाल के दर्शन किए। दो दिनों में ढाई लाख श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन किए। आने वाले दिनों में दर्शनार्थियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी का अनुमान है।महाकाल मंदिर में बीते एक माह से दर्शनार्थियों की संख्या कम हुई थी। प्रतिदिन 40 से 50 हजार भक्त मंदिर पहुंच रहे थे लेकिन बुधवार से एकाएक दर्शनार्थियों की संख्या बढ़ने लगी है। बीते दो दिनों में ढाई लाख से अधिक भक्तों ने भगवान महाकाल के दर्शन कर लिए हैं।

बाइडन ने ट्रंप पर साधा निशाना बोले- यह देश के लिए काले दिन

वॉशिंगटन, एजेंसी। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जो बाइडन ने अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शक्ति की सीमाओं की जांच पर प्रतिक्रिया दी है। पूर्व राष्ट्रपति ने इन दिनों को काले दिन करार दिया और अमेरिकियों से कहा कि वे आशावादी बने रहें और हताश न हों। उन्होंने कहा, दुनिया के इतिहास में अपनी स्थापना के समय से ही अमेरिका शक्तिशाली विचार का प्रतीक रहा है। यह विचार किसी भी सेना से मजबूत है। हम किसी भी तानाशाह से अधिक ताकतवर हैं। प्रोस्टेट कैंसर के लिए रेडिएशन थेरेपी पूरी करने के बाद बाइडन (82 वर्षीय) ने पहला सार्वजनिक भाषण दिया। उन्होंने रविवार रात (स्थानीय समयानुसार) बोस्टन में एडवर्ड एम. कैनेडी इंस्टीट्यूट से लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, अमेरिका ऐसे राष्ट्रपति पर निर्भर करता है, जिसकी शक्ति सीमित हो, एक काम करने वाली कांग्रेस हो और न्यापालिका स्वतंत्र हो।

अर्जेंटीना: चुनावों में राष्ट्रपति मिलेई की पार्टी को बड़ी जीत

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जावियर मिलेई ने रविवार को संपन्न मध्यावधि चुनावों में प्रमुख जिलों में निर्णायक जीत हासिल की। इस जीत के साथ उन्हें कांग्रेस (संसद) में मजबूती मिली है। इससे वह अपने सख्त मुक्त बाजार सुधारों को लागू कर पाएंगे। उन्हें अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से अरबों डॉलर के समर्थन की उम्मीद है। स्थानीय मीडिया और चुनाव प्राधिकरण के आंकड़ों के मुताबिक, मिलेई की पार्टी ला लिबर्टाड अवांजा ने राष्ट्रीय चुनावों में 40 फीसदी से अधिक वोट हासिल किए। पार्टी को निचले सदन के लगभग आधे सदस्यों को दोबारा चुनने में सफलता मिली। सीनेट के एक तिहाई सदस्यों के चुनाव में भी उनकी पार्टी ने आठ प्रांतों में से छह में जीत दर्ज की। इसके मुकाबले वामपंथ की ओर झुकाव रखने वाले विपक्ष ने केवल 31 फीसदी वोट हासिल किए, जिसे विश्लेषकों ने कई वर्षों में गठबंधन का सबसे कमजोर प्रदर्शन बताया।मिलेई ने जीत के बाद कहा कि उनकी पार्टी निचले सदन में 37 सीट से बढ़कर 101 सीट और सीनेट में 14 और सीट जीतकर कुल 20 सीट हासिल कर चुकी है।

बिहार विधानसभा चुनाव: तेज हुए बयानों के तीर

एनडीए की सरकार ने 2 पीढ़ियों को बर्बाद कर दिया: तेजस्वी

नई दिल्ली/पटना, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहा नेताओं में जुबानी जंग तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार बदलाव के लिए बेसब्र है। यह नया बिहार बनाने का चुनाव है। जैसे एक जगह रुका पानी सड़ जाता है। वैसे ही यह एनडीए की सरकार हो गई है। उन्होंने कहा- बरस तक एक ही खेत में एक ही बीज बोने से खेत और फसल दोनों खराब हो जाते हैं। वैसे ही दो दशक की इस सरकार ने बिहार की दो पीढ़ियों को बर्बाद कर दिया है। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के नेता चुनाव प्रचार में जुटे हैं। कल मंगलवार को छठ खत्म होते ही इसमें तेजी आएगी। प्रियंका गांधी मंगलवार को अपने प्रचार अभियान की शुरुआत कर रही हैं। कल वो बेगूसराय आएंगी, जिले के बछवाड़ा में उनकी सभा होगी। वहीं राहुल गांधी के 29 अक्टूबर को आने की खबर है।

इधर, भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि 2025 के विधानसभा चुनाव में भी मुख्यमंत्री का चेहरा नीतीश कुमार ही हैं। तेजस्वी यादव कौन सी दुनिया में हैं। तेजस्वी ने लड़ाई-झगड़ा करके अपना नाम सीएम फेस के रूप में प्रोजेक्ट करवाया है। हमारे गठबंधन में पहले से मुख्यमंत्री का चेहरा तय है।

दरअसल, 18वीं बिहार विधानसभा के लिए दो चरणों में चुनाव 6 और 11 नवंबर को होंगे। पहले चरण में 18 जिलों की 121 सीटों और दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 सीटों पर मतदान होगा। इन दोनों चरणों में कुल 2616 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 1085 प्रत्याशी यानी करीब 41% पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं।

तेजस्वी का दांव पलटने के लिए नीतीश का जनसेवक वाला पोस्टर

पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव को जननायक के रूप मे पेश कर रहे हैं। रैलियों में तेजस्वी को जननायक बताने वाले गाने भी बजाए जा रहे हैं। अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने इस पर पलटवार किया है। तेजस्वी को जननायक बताए जाने के जवाब में जेडीयू ने जनसेवक वाला पोस्टर जारी किया है। नीतीश कुमार की फोटो के साथ जनसेवक लिखा पोस्टर जारी किया गया है। बता दें कि तेजस्वी यादव को जननायक कहे जाने को लेकर इसलिए भी विरोध छिड़ा हुआ है कि बिहार में कर्पूरी ठाकुर को जननायक कहा जाता है। अभी हाल ही में चुनावी सभा करने के लिए बिहार पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्पूरी ठाकुर के गांव गए और उनको नमन करते हुए उनके परिजनों से भी मिले।

सीवान में फंसी आरजेडी

'सीवान में हम लोग आरजेडी के अवध बिहारी चौधरी को वोट देंगे। एआईएमआईएम भी अच्छी बातें करती है। बिहार में वो आए हैं, तो हम लोग खुश हैं। ऐसा नहीं है कि हम उन्हें वोट नहीं देना चाहते लेकिन अवध बिहारी विकास करते हैं और गरीबों की बात सुनते हैं।' सीवान जिले के रहने वाले 27 साल के शहजाद अली बेरोजगारी से परेशान हैं। हालांकि वे मौजूदा विधायक आरजेडी के कद्दावर नेता अवध बिहारी को ही दोबारा जिताने की बात करते हैं।

शाहनवाज बोले-बिहार की जनता को गुमराह किया जा रहा

बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि आरजेडी के लोग जंगलराज वाले हैं। उन्हें नहीं पता है कि केंद्र की संसद से जो कानून (वक्फ संशोधन एक्ट) बना है, उस पर सुप्रीम कोर्ट की भी मुहर लग गई है। जनता को गुमराह करने के लिए ऐसे बयान दिए जा रहे हैं।बता दें कि एक दिन पहले तेजस्वी यादव ने कहा था कि राज्य में उनकी सरकार बनी तो वह वक्फ संशोधन एक्ट को खत्म कर देंगे।

प्रियंका की रैली कल, राहुल 29 अक्टूबर को सभा करेंगे

बिहार चुनाव के लिए प्रियंका गांधी मंगलवार को अपने प्रचार अभियान की शुरुआत कर रही हैं। 27 अक्टूबर वो बेगूसराय आएंगी, जिले के बछवाड़ा में उनकी सभा होगी। वहीं, राहुल गांधी के 29 अक्टूबर को आने की खबर है।अभी तेजस्वी यादव की रोजाना 3 से 4 सभा हो रही है, आने वाले दिनों में इसकी संख्या भी बढ़ेगी।

महागठबंधन का मैनिफेस्टो कल शाम होगा जारी

पटना, एजेंसी। बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन का मैनिफेस्टो कल जारी होगा। कल शाम 4.30 बजे पटना में चुनावी घोषणा पत्र जारी किया जाएगा। उधर, जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार के राघोपुर विधानसभा सीट से राजद उम्मीदवार तेजस्वी यादव के बयान पर कहा, लड़ाई एनडीए और जन सुराज पार्टी के बीच में है और महागठबंधन तीसरे नंबर पर है। वो कुछ भी कह दें, आप पिछले 5 दिनों में तेजस्वी यादव और महागठबंधन की घोषणाओं को देखेंगे तो उसका कोई सिर-पैर नहीं है इसलिए वो कुछ भी कह रहे हैं।बिहार विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे को लेकर दोनों गठबंधनों के नेताओं में नाराजगी थी। बीजेपी और जेडीयू के कई नेताओं ने पार्टी से अगल होकर निर्दलीय चुनाव लड़ने के लिए नामांकन किया। इस पर अब बीजेपी ने अपने बागी नेताओं के खिलाफ एक्शन लिया।

नीतीश कुमार पहुंचे चिराग पासवान के घर ग्रहण किया खरना प्रसाद

पटना, एजेंसी। बिहार में धूम धाम से छठ का त्योहार मनाया जा रहा है। लोग दूर-दूर से एक दूसरे के घरों पर खरना का महा प्रसाद पाने पहुंच रहे हैं। ऐसे में बिहार के मुख्यमंत्री भी एनडीए में शामिल केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के घर पहुंचे। सीएम नीतीश ने चिराग के घर पहुंच कर खरना का माह प्रसाद ग्रहण किया। नीतीश कुमार का चिराग के घर पहुंचना एनडीए की एकता और एकजुटता के साथ ही इन दोनों के बीच नरम होते रिश्तों को भी दिखा रहा है।दरअसल, चिराग पासवान नीतीश कुमार पर निशाना साधते रहे हैं। कुछ समय महीने पहले बिहार में एक के बाद एक हो रही हत्याओं पर चिराग ने बिहार के लॉ एंड ऑर्डर पर सवाला उठाया था और उनके निशाने पर नीतीश कुमार थे।

मायावती का सम्मान करता हूं: चंद्रशेखर

एक्स गर्लफ्रेंड रोहिणी का चैलेंज- बहनजी को अपशब्द कहने वाला ऑडियो फेक साबित करो

लखनऊ। यूपी की नगीना सीट से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने इंदौर की एक्स गर्लफ्रेंड डॉक्टर रोहिणी घावरी के आरोपों पर पलटवार किया है। उन्होंने एक चैनल से बात करते हुए कहा, मैं महिलाओं का सम्मान करता हूं। इसलिए कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। मैं मरा नहीं, जिंदा हूं। किसी ऑडियो या वीडियो के पास क्यों जाना, जब मैं खुद सामने खड़ा हूं। मैं अपने मुंह से कह रहा हूं। मैंने पचासों मंचों से कहा है कि हम बहनजी (बसपा प्रमुख मायावती) का सम्मान करते रहे हैं। राजनीतिक दल हमारे अलग अलग हैं, लेकिन उनके संघर्ष का हम सम्मान करते हैं और आज भी करते हैं।कांशीराम साहब हमारे गुरु हैं। हमेशा सम्मान करते रहेंगे। यह हमारे सिद्धांत हैं, हमारे संस्कार हैं, जो हमें हमारे मां-बाप से मिले हैं।चंद्रशेखर की इन बातों को लेकर रोहिणी ने सांसद से कई सवाल पूछे। उन्होंने कहा, हिम्मत है तो एक बार बस इतना बोल कर बता कि बहनजी को अपशब्द कहने वाली ऑडियो फेक है। अपने सांसद पद का फायदा उठा जांच करा और समाज को दिखा की क्या सच है। हम दोनों के बीच के बात है। तू अच्छे से जानता है। मेरी कही हर बात सच है।

सलमान खान को आतंकी बताने वाली चिट्ठी वायरल

दावा- पाकिस्तान ने आतंकियों की लिस्ट में डाला, एक्टर ने बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग बताया था

इस्लामाबाद, एजेंसी। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को आतंकी बताने वाला एक लेटर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि यह लेटर पाकिस्तान सरकार ने जारी किया है।सलमान ने पिछले हफ्ते सऊदी अरब में एक इवेंट के दौरान बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग बताया था, जिसके बाद कथित तौर पर उन पर यह कार्रवाई की गई।लेटर में कहा गया है कि पाकिस्तान सरकार ने सलमान को एंटी-टेररिज्म एक्ट 1997 की चौथी सूची में डाल दिया है। ये सूची उन लोगों की होती है, जिन पर आतंकवाद से जुड़े होने का शक होता है।

हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इस खबर को फेक बताया गया है। सलमान ने बलूचिस्तान से जुड़ा बयान 17 अक्टूबर को दिया था, जबकि लेटर पर 16 अक्टूबर की तारीख दर्ज है। इसके अलावा उसी नंबर का अन्य लेटर भी पाकिस्तान सरकार ने जारी किया था। इन सब के आधार पर दावा किया जा रहा है कि ये लेटर फेक है।

सलमान, शाहरुख खान और आमिर खान के साथ 17 अक्टूबर को रियाद में जॉय फोरम 2025 में भारतीय फिल्मों की लोकप्रियता पर बात कर रहे थे।

इस दौरान उन्होंने कहा था कि अगर आप यहां हिंदी फिल्म रिलीज करें, तो वह सुपरहिट होंगी। तमिल, तेलुगु या मलयाली फिल्म भी सैकड़ों करोड़ कमा सकती हैं, क्योंकि यहां बलूचिस्तान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के लोग काम करते हैं।इस बयान में सलमान ने बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग बताया था, जिसके बाद पाकिस्तानी मीडिया में सलमान खान की काफी आलोचना की गई थी।

बलूचिस्तान के कुछ नेताओं ने सलमान खान के इस बयान की तारीफ की है। बलूच नेता मीर यार बलोच ने कहा- सलमान ने बलूचिस्तान को अलग पहचान देकर 6 करोड़ बलूच लोगों का दिल जीत लिया।

यह हमारी आवाज को दुनिया तक पहुंचाने जैसा है।बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है, लेकिन यहां के लोगों को बुनियादी जरूरतों के लिए लगातार संघर्ष करना पड़ता है। पाकिस्तानी सेना पर आरोप है कि वो यहां के लोगों की जायज मांग को हथियार के दम पर कुचलती है।

युवा चिंतन शिविर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज अखिल विश्व गायत्री परिवार के प्रांतीय युवा चिंतन शिविर को केरवा स्थित शारदा विहार आवासीय विद्यालय परिसर में संबोधित किया।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान में 24 नवंबर से 5 दिसम्बर तक

नई दिल्ली, एजेंसी। पाँचवें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान के सात शहरों में 24 नवंबर से 5 अक्टूबर, 2025 तक आयोजित होंगे। इसमें 23 मेडल स्पोर्ट्स और एक डेमोंस्ट्रेशन स्पोर्ट (खो-खो) में प्रतियोगिताएँ होंगी। बिहार में हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तरह, यूनिवर्सिटी गेम्स भी राजस्थान के सात शहरों–जयपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा और भरतपुर में आयोजित होंगे। इस 12 दिनों के यूनिवर्सिटी आयोजन में 5,000 से अधिक एथलीटों के आने की उम्मीद है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सहयोग से किया जाता है।युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स भारत के खेल मार्ग में एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। दुनिया भर में विश्वविद्यालय, चैंपियनों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और हमारे युवा एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता दिखाने का मंच प्रदान करता है। इन खेलों का राजस्थान संस्करण भारत के विस्तृत खेल परिदृश्य को उजागर करेगा और वैश्विक स्तर पर राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने की आकांक्षा रखने वालों के लिए पहला कदम साबित होगा।

विदिशा में भाजपा नेता पर हमला, पत्नी ने शिवराज से कहा- पार्टी के लिए जीवन लगाया, अब ये सुलूक

भोपाल/विदिशा, दोपहर मेट्रो। भाजपा के वरिष्ठ नेता और अधिवक्ता विमल तारण पर शनिवार शाम स्टेशन रोड पर हमला हुआ था। एक बदमाश ने सरेआम उनकी पिटाई की और इसका वहां पहले से मौजूद लोगों ने वीडियो बनाया जो अब वायरल हो गया है। इस पिटाई कांड के बाद विमल तारण और उनकी पत्नी ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की और उन्हें जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए उनके पति ने सारा जीवन लगा दिया, छोटी-छोटी बच्चियों को छोड़कर वे पार्टी के काम से जाते थे। अब उनके साथ ऐसा व्यवहार किया गया है। इस घटना को लेकर अभिभाषक संघ ने सोमवार को विदिशा बंद का आह्वान किया है। कांग्रेस ने भी भाजपा पर साजिश रचने का आरोप लगाया है।

विदिशा के पुलिस अफसर आनंद राज ने बताया कि विमल प्रकाश तारण पर सरेआम हमला हुआ और इसका वीडियो वायरल हुआ है। इस पर पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन में कार्रवाई जारी है। आरोपी हमलावर को पकड़ लिया गया है। हमला करने वाला आरोपी संजय नामदेव उर्फ गांधी पुलिस के रिकॉर्ड में आदतन अपराधी है। उससे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि घटना के समय वहां कौन-कौन मौजूद था और वीडियो किसने बनाया, आरोपी ने हमला क्यों किया, इसको लेकर तमाम तथ्यों की जांच की जा रही है। पुलिस को शिकायत मिली है और उसके आधार पर विवेचना करते हुए एक्शन लिया जाएगा।

पहल भारत-चीन के बीच इंडिगो ने डायरेक्ट फ्लाइट की शुरू

भारत-चीन के बीच आखिरकार मिट गईं दूरियां 5 साल बाद कोलकाता से बीजिंग पहुंची फ्लाइट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और चीन के बीच पांच साल बाद फिर से आसमानों में कनेक्टिविटी बहाल हो गई है। दोनों देशों के रिश्तों में नई गर्माहट की झलक तब देखने को मिली जब इंडिगो की फ्लाइट 6ई1703 ने कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी और चीन के ग्वांगझू बाययुन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए रवाना हुई। यह उड़ान लगभग 176 यात्रियों को लेकर रात 10:07 बजे रवाना हुई और सुबह 4:05 बजे बीजिंग पहुंच गई।

इस ऐतिहासिक पल को लेकर एयरपोर्ट पर खास उत्साह देखने को मिला। एयरपोर्ट डायरेक्टर डॉ। पीआर बियूरिया, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और इंडिगो के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह के साथ इस उड़ान को रवाना किया गया।

कोविड-19 महामारी के दौरान भारत और चीन के बीच सारी डायरेक्ट फ्लाइट्स बंद कर दी गई थीं। हालांकि अब इंडिगो ने कोलकाता और ग्वांगझू के बीच नॉन-स्टॉप डेली फ्लाइट शुरू की है। इसके अलावा, दिल्ली-ग्वांगझू रूट पर 10 नवंबर से और दिल्ली-शंघाई रूट पर 9 नवंबर से उड़ानें फिर शुरू होंगी। यह कदम दोनों देशों के बीच व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक संबंधों को नई गति देने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564